

ઉદ્ધૃ ભાષા અને ગુજરાતી હરફમાં  
અખલાકે મોહમ્મદી.

ઉદ્ધૃ પરથી તૈયાર કરી પ્રગટ કર્તા

હાસમ મોહમ્મદ કાલા.

રાખ્યાવાચ ( કાઠીઆવાહ )

આટલી પાંદલી

નક્લ ૫૦૦

પ્રગટ કર્તાનિ સર્વ હક સ્વામિન સમ્મ્યા છે.

શ્રી અમરસિંહજી પ્રીત્વીય પ્રેસ અમરસિંહમાં

પાટણ નજ્દાન અમીરજાન વશીકે છાપી.

શ્રીમત રૂ. ૧-૦-૦.

# ગુજરાત વિદ્યાપીઠ ગ્રંથાલય

[ ગુજરાતી કૉપીરાઇટ વિભાગ ]

અનુક્રમાંક ૭૪૪૬ વર્ગાંક

પુસ્તકનું નામ રાખલાડે મોરમદ

વિષય પૃ : ૨૪૨

ઉદ્ધૃત્ અખાન ગુજરાતી હરકોમાં,

# અખલાકે મોહમમદી.

મુળ ઉરદુ ઉપરથી તૈયાર કરી છપાવી પ્રગટ કર્તા

હાશમ મોહમદ કાળા.

રાણાવાવ.

આવૃત્તી પહેલી

વક્ર. ૫૦૦

ધી અમરસિ હલ પ્રી. પ્રેસ, અમદાવાદમાં  
પઠાણુ નુરખાન અમીરખાન વહીવે છાપી.

—(૦)—

કીંમત રૂ. ૧-૦-૦

ગુજરાત-કાઠીયાડમાં ઉર્દુ ભાષા થોડા લોકો જાણતા હોવાથી ઉર્દુની કીતાબોનો લાભ લઈ શકતા નથી તેમ જરૂરી હદીસો અને આયતોના માયના પણ સમજી શકતા નથી તેથી મારા મનમાં ખ્યાલ થયો કે જે આ અખલાકે મહમ્મદી ગુજરાતીમાં હોય તો સર્વે મુસલમાનો લાભ લઈ શકે. તેથી આ કીતાબ ગુજરાતીમાં તૈયાર કરવામાં આવી છે. તેનો લાભ મુસલમાન ઓરતો તથા મરદો ઉઠાવે એવી હું ખુદા પાસે દુઆ ચાહું છું.

આ મારો પહેલોજ પ્રયાસ હોઈ તેમાં કાંઈ ભૂલો જેવામાં આવે તો દરગુજર કરશો અને જે તે ભૂલોની સુચના કરવામાં આવશે તો ઇન્શા-અલ્લાહ બીજી વખતે સુધારવા બનતું કરીશ.

રાણાવાવ ( કાઠીઆવાડ )  
તા માર્ચ ૧૯૧૮.

ખાદીમે કોમ,  
હાશમ મોહમદ કાંગા.



# अपलाडे मोहम्मदी.

हिस्सामे अव्वल.

पिस्मिल्ला हिररेहमा निररहीम.

आपुल धत्तेझाक.

आले धमरान इकु १२ आयत १०३-१०४-१०५.

१ ओर अस्लाहके आहडको सय मिकर मज्भूत पकडो ओर मुतहरिक नहो, अस्लाह तआलाके जे ओहसान तुमपर हय उन्को याद करो जल्मके तुम आपसमे दुश्मन थे पस पुदा तआलाके तुम्हारे हियेमे उदरत पेदा कर दी उसके खलसे तुम भाध लाध अनगअओ ओर तुम आगके गढेके किनारे पहोअ गअेथे उस्से तुमको अस्लाह तआलाने जयाया छसी तराह अस्लाह तआला अपनी निशानीयां तुमपर लहिर करता हय ताके तुम लहायत पाओ ओर जुडर हय के तुमसे ओक जमाअत अयसी हो जे नेक कामका लोगोके हुकम करती हो ओर पुरे कामसे मना करती हो ओर येही लोग इलाह पानेवाले हय ओर उन लोगोकी मिसल नहो जे मुतहरिक हो गअे ओर धम्तेलाए करने लगे याद उसके के आध उन्के पास अलाभते ओर उन्के लिये अडा अनजय हय.

आले धमरान इकु २० आयत २००.

२ अय धमान वालो सय करो ओर आपसमे ओक दुसरेको सय दिलाओ ओर आहम मिले रहे ओर अस्लाहसे उरते रहे शायद तुम अपनी मुराहको पहोअो.

सुरअे अनझाल, इकु ६ आयत ४५-४६-४७.

३ अय धमानवालो जल्म तुम किसी गिरोहसे मुकामिल हो तो सापित हदम रहे ओर पुदाका अक जहोत करो शायद तुम इलाह पाओ. ओर अस्लाह ओर उसके रसूलकी धताअत करो ओर आपसमे लडाध अगडा मत करो के धस्से तुम पुनदिल हो जअेगे ओर तुम्हारी हवाभे हो.

जमोगी. और सभ करे जेशक अस्वाह सभ करने वालोंके साथ हय और तुम इन लोगोंके मिसल नहो जे गुजर छताने और लोगोंके दिभानेके लिये निकले हों और लोगोंके अस्वाहकी राहसे रोकते हों और अस्वाहके धर्ममें हय जे वो करते हय.

सुरजे अनशस, ३६ ८ आयात ६२-६३.

४ वोह यानी अस्वाह तआला वोही हय करने के कुवत ही तुजके अपनी महदसे और मोअमिनीनसे और उनके याअनी मोअमिनीनके दिलोंमें उदरत पैदा कर-ही अगर तु जे कुछ जमीनमें हय सभ पर्य कर देता तो उनके दिलोंमें मोहलप्यत न पैदा कर सकता मगर अस्वाहने उनमें उदरत पैदा कर ही और जेशक वोह अस्वाह गालिय और लिंकमतवाला हय.

सुरजे हुजैरात ३६ १ आयात १०.

५ सिवा इसके नहीं के सभ मुसलमान आपसमें बाध बाध हय तो अपने बाधोंमें सुलह करा दिया करे और अस्वाहके जल्पसे डरते रहे ताके तुमपर शर्म किया जजे.

सुरजे हुजैरात ३६ २ आयात १०

६ अय लोगो हमने तुम्हो नर और भाइसे पैदा किया और तुम्हारे कुम्भे और कपाहलियताने ताके तुम जेह दूसरेको पहचानो, जेशक तुम-मेंसे सभसे मुजुर्ग अस्वाहके नज्दीक वही हय जे सभसे जियादा मुत्त-कीहो जेशक अस्वाह जननेवाला और जपरदार हय.

आहादीस.

नाअमान भिन जशीर, भिशकात.

७ रसुले अकरम सलवलाहो अलयले वसव्लमने इरमाया के, तमाम मुसलमान मिसल शप्स<sup>१</sup> वालिकके हय अगर इरकी आंफमें दई हो तो

१. यह और इससे अगली हदीस कामीयतकी हमदा तरीन मिसालोंमेंसे हय जिस तराह जर्ममें हिल दिमाग छगर हाथ घेर मुफ्तबिक्र आल हय. इसीतराह काममें अभीर जरीय आलिम लडिल मुफ्तबिक्र गिरोहके आदमी हय इस तराह हिल और दिमाग अदना अदना आल हुःप दई ही तकलीर मा इरूस करते हय इसी तराह ईंसानोंके तफ्कमे हमारा वं तारीम याइता हुजरात व ओलमां व सुलोहाको आइम और नीज अना तरीन आहले इसलामके साथ हमदही और महेरआनीसे पेश आना लुइरी हय जयतक धन गिरोहोंमें आइम

तमाम अरुम जेवयन होजने अगर उरके सरमे शिकायत हो तो कुल अरुन जेकल हो जवे.

**अणी मुसा, भिशकात.**

८ रसुलुल्लाह सख्यमने इरमाया के मुसलमान मुसलमानके लिअे भिसल मुन्याह के हय के उरका अेक हिससा हूसरेके जोऊ उदानेमे' मद्द करता हय हिर अपने अेक हाथकी उंगलियां हूसरे हाथमे' डालकर अताया के छसतराह.

**नाअमान गिन अशीर, भिशकात.**

९ रसुलुल्लाह सख्यमने अलयहो वसखमने इरमायाके मुसलमानोके हेषता हय के वोह आपसमे' रहम और महेरअानी और महष्यत करनेमे' भिसल अेक अरुमके हय अगर अेक उज्वमे' शिकायत पेदा हो तमाम अरुम पर जेदारी और डरारत तारी हो जाती हय.

**सालम, भिशकात.**

१० इरमाया रसुलुल्लाह सख्यमने हर मुसलमान हूसरे मुसलमानका बाध हय. न इसपर गुल्म करे न उरके तनहा जेमद्दगारके छोडे. जे शप्स अपने बाधकी कोध डानत पूरी करेगा अख्लाहतआला उरकी डानत पूरी करेगा और जे शप्स किसी मुसलमानकी तकलीफ हूर करेगा अख्लाहतआला क्रियामतकी तकलीफ उरसे हूर करेगा और जे किसी मुसलमानकी परदापोशी करेगा अख्लाह तआला क्रियामतके दिन उरको परदापोशी करेगा.

**अणी जर, भिशकात.**

११ इरमाया रसुलुल्लाह सख्यमने जे शप्स अकर अेक आलिस्तके ली गिरोहसे अलग हुवा तो गोया रसने छरलाम अपनी गरदनसे निकाल दी.१

अयसाही धततिसाह नहो नयसाके अेक अरुमके आनमे' होता हय उस वक्त तक कोभीयत पेदा हो नही' सकती अेक और हदीस शरीफमे' वारिद हुवा हय जज तक तुम्को अपने मां, आप और अयश अकारअसे नियादा मेरे सय महष्यत नही' तुम मुसलमान नही' हो सकते उरका यही भायेना हय के जजतक कोभी मुआमेलातको अपनी जतसे मुकद्दम न समझा जजे कोभीयतका मद्दुम ठीक तौर पर सादिक नही' आ सकता. (मुतरजम)

१ यानी किसी धप्तेवाके शयेके सज्ज नमाअतको छोडकर अबाहोहा नही' होना चाहीजे. (मुतरजम)

अन धुन्न उभर, भिशकात.

१२ रसुलुखाड सलखाडो अलयडे वसलुभने इरभाया के अखाड तआला मेरी उभत या इरभाया के उभते मोहम्मद (स. अ. व.) का गुमराडीपर नमान करेगा और अखाडका हाथ नमाअत पर हय जे शप्स गिरोहसे अलग हुवा आग (दोज़्ज)मे गया.

धुन्ने उभर, भिशकात.

१३ रसुलुखाड सलखाडो अलयडे वआलेही वसलुभने इरभाया के अडे गिरोहकी पयरवी करे जे शप्स गिरोहसे अलाडेदा हुवा दोज़्जमे गया.

यलुह भिन भिशकात.

१४ इरभाया रसुलुखाड सदअभने के नथ अेक आदमी हसरके भाध अनाअे तो उरका और उरके पाप और कपीकेका नाम द्याइत कर से के, धसिसे महप्पत मुस्ताह कम होती हय.

## पापुल अेहसान.

सुरअे अकर इकु ४ आयात ११६.

१५ और तुम अर्थ करे अखाडकी राहमे और न दावे अपनेका हलाकतमे और नेकी करे अेशक अखाड दोस्त रभता हय नेकी करनेवाकुके.

सुरअे नाहुल इकु ४ आयात ३०.

१६ और कहा गया परहेन्गारोंसे के क्या नाहुल किया तुम्हारे परवरदिगारने ? उन्होंने कहा के, अअ्हा उन लोगोने धस दुन्यामे अलाध ही हय उन्के लिये अलाध हय अेशक परहेन्गारोंका दिकाना अअ्हा हय.

सुरअे नाहुल इकु १३ आयात ६.

१७ अखाड तआला धन्साइका और अेहसान करनेका और रिशतेदारोंका देनेका हुकम करता हय और अेहयाध और पुरे कामोंसे और सरकशीसे तुम्को मुमानिअत करता हय और तुम्को नसीहत करता हय शायदके तुम याद रभो.



**सुरञ्जे नाहल ३६ १६ आयात २८.**

१८ अह्लाह तआला उन बेगोके साथ हय जे छतेका छपत्यार करते हय ओर नीज उन बेगोके साथ हय जे भलाध करनेवाले हय.

**सुरञ्जे कसस ३६ ८ आयात ७५.**

१८ ओर जे कुछ तुजके अह्लाह तआलाने दिया हय उससे दारे आपेरतकी हीकर कर ओर अपने हिससे हन्याके इराभोश न कर ओर भलाध कर नयसी अह्लाह तआलाने तेरे साथ भलाध की ओर मुहकमे इसाह की पाहिश न कर अह्लाह तआला इसाह करने वालेसे मोहप्यत नहीं रपता.

**सुरञ्जे जुमर, ३६ २ आयात १०.**

२० अय मोहम्मद (स. अ. व.) हमारी तरफसे केह हो के अय मेरे पदो जे यकीन लाओ हो उरो अपने रपसे, उन बेगोने छस दुनियामे हसरके साथ नेकी की हय उनके बीजे आपेरतमे भलाध हय ओर अह्लाहकी नमीन इराप हय सिवा छरके नहीं के सख करनेवालोके जेहिसाय अजर दिया जवेगा.

**सुरञ्जे रेहमान ३६ ३ आयात ६०.**

२१ क्या पहला हय नेकी करनेका सिवा नेकी करनेके ?  
अह्लादीस.

**अथी अमाभा भिरकात.**

२२ कन्ह<sup>१</sup> (काहिरि नेअमत) वो हय के अपनी अतासे बेगोके पान रपमे ओर तनहा पाओ ओर अपने गुलामके जदो काय करे.

**अजहुदलाह छप्ने उमर भिरकात.**

२३ जमतमे अहसान जतानेवाला ओर वायेहेनकी नाइरमानी करने-वाला ओर हमेशा शराय पीनेवाला याने दाओमुल भत्र दाभिल नहोगा.

२४ अरके कुछ अता किया जओ याहिये के उरका पहला हे ओर

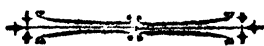
१ "कन्ह" का भाओना अरथी जमानमे काहिरि ओर काहिरि नेअमत ओर अथील ओर नाइरमानके हय ओर निज उस गिनजर नमीनकोभी केडते हय असमे कोष यीज उग न सके. (सुतरजम)

धवण न दे सके तो उसकी तय्यारीक करे उसने तारीक की उसने शुके अदा किया और उसने छुपाया कुहराने तेयमत किया.

२५ डजरत आयेशा (२०)ने पूछा या रसुलुखाड अयसी क्या क्या चीज है उससे धन्कार करना नहिं नहिं है. आपने इरमाया के पानी और नमक और आग. इन्होंने पूछा के पानीके हैम जनते हैय मगर नमक और आगकी क्या वजह है ? रसुलुखाडने इरमाया अय हुमयरा उसने आग किसीके दी गोया वोह तमाम चीज सहाकी जे उस आगने पकाध और उसने कीसी शप्सके नमक दीया गोया वोह तमाम चीजे तसहदुक की उनमे नमक डाला गया. और उसने किसी मुसलमानके पानी पीलाया जहां पानी कमयाय नही तो गोया अेक गुलाम आनद किया और उसने किसी मुसलमानके अयसी जगा पानी पीलाया जहां पानी न भीलता हो तो गोया उसके अंदा किया.

२६ अखाड तआलाके नजदीक वोह शप्स अय्या है जे अपने आहवायके साथ अय्या हो. और पडोसियोंमें अय्या वोह शप्स है जे पडोसीके साथ अय्या हो याअने उससे अय्या परताव करे.

२७ अेक शप्सने कहा या रसुलुखाड मुजे किस तराह मालूम हो के मंय अय्या करता हुं या पुरा ! रसुलुखाड सललखाडो अत्रयहे व आलेडी वसधमने इरमाया जय अपने हमसायोंसे सुनो के वोह डेहते हैय तुने लला कीया तो अेशक तुने ललाध की और जय हमसायोंसे सुनो के वोह डेहते हैय पुरा किया, तो पुरा किया.



आबुल धअलास.

सुरअे जुमर, इकु २ आयत १२.

२८ तुम कहे अय मोहम्मद (स. अ. व.) के मुअके हुकम दिया गया है, आलिस अखाडडीकी अंद्गी करे.

सुरअे जुमर इकु २ आयत १४.

२९ अय मोहम्मद (स. अ. व.) लोगोंसे डेहते के मंय अत्राडक धआदत करता हुं आलिस उसीके लाये.

३० सुनता हैय अत्राडडीके हैय निरी अंद्गी.

सुरमे जैयेनाह. आयात प.

३१ ओर उन्को हुकम नहीं दिया गया सिवा इसके के 'आलिस अहाह' हीकी अ'दगी करे' याअने किसीके उस्मे शरीक न करे'.

अहादीस.

अज भआज क'जुल आअमाल.

३२ आलिस कर अपने दीनको (शिरक वगयरासे) थोडा अमलनी तेरे लिअे काही होगा.

ओहाक धुअने कयस, क'जुल आअमाल.

३३ आलिस ओर साह करे अपने आअमालको (रिया वगयरासे) के अहाह तआला उसी अमलको क'जुल करता हय जे पास उसीके लीअे हे.

अथु डुरयरा क'जुल आअमाल.

३४ अह्लाह तआला तुम्हारी सुरतो ओर भावोंको नहीं देपता अहके तुम्हारे दिलोंको ओर कामोंको देपता हय.

मुआविया.

३५ आमाल भिसल गुइरके ह'य ज'यनीअे या अ'हरका हिस्सासाह होगा तो उपरका आला अ'अहा होगा.

सेअमान.

३६ अलाह हय मुअमेसीनके लीअे येह लोग अ'यिरागे हिदायत हय उन्हीसे हर अडे हितनेकी पुराह हर होती हय.

अथी अमाभा.

३७ अहाह तआला उन्ही आअमालको क'जुल करता हय जे पास अहाहीके लीअे हे ओर सिर्फ अहाहीकी रजम'दी उनसे मतलुअ हो.

## आप आदायिल मजलिस.

सुरअे हुजेरात ३३ १ आयत १-२-३-४-५.

३८ अय धमानवालो सयकत न करे इयइ अखाह और उरके रसुलके और अल्लाहसे उरते रहे। अखाह सुन्नेवाला और नननेवाला हय. अय मुसलमाने। रसुलुल्लाहकी आवाजसे अपनी आवाजे युल'द न करे और जेरसे यात न करे। नयसे तुम आपसमे जेरसे याते करते हो। ताके तुम्हारे आमास अकारत नहो और तुमको अप्पर नहो। जे लोग रसुलुल्लाहके पास द्यी आवाजसे ओलते ह'य. वोह वही लोग ह'य जिन्के दिकोका अखाह तआलाने तकवामे धम्तेडान करे। लया हय उन्के लिअे भगइरत और अनरे अलम हय. अय अप्पर जे लोग तुमको हुनरोके पाहरसे पुकारते ह'य उन्मेसे अकसर जे अकह ह'य और अगर वोह लोग धतना सय करते के तुम पुद उन्के पास पाहार याते तो येह उन्के हकमे ओहतर हुंटाता. अखाह अप्पशनेवाला भइरणान हय.

सुरअे मुजदिला ३३ २ आयत ५.

३९ अय धमानवालो नय तुमको कडा नवे के मजलिसमे पुकर जेहो पस पुल नअो. कुशादगी दे अल्लाह तआला तुमको और नय कडा नवे उह भउे हो, पस उह भउे हो, अल्लाह तआला उन लोगोके जे तुममे धमान लाअे और उन्को धलम दिया गया भरतणे युल'द करेगा और जे तुम करते हो अल्लाह तआला उरकी अप्पर रभता हय,

अज अउदुर राहुमान, अदयुल मुइरद.

४० अयु सधद पुदरीदि अेक ननानेधी अप्पर दीगध उन्को ननेमे देर हो। गध, लोग अपनी अपनी नगा ओठ गअेथे नय लोगोने उन्को याते हुवे देभा उन्का तरश भउेह और अआज अपनी नगासे भउे हो। गअे ताके वोह उन्की नगा ओठे. उन्हेने धससे धन्कार किया और कडाके भ'यने रसुलुल्लाह सदअमसे सुना हय के आप शरमातेथे कुशादाह मजलिस सयसे ओहतर ह'य और वहांसे हटकर शराप नगाभे ओठ गअे.

धपने उमर, अज अदयुल मुइरद.

४१ तुममेसे कोध शप्स किसी हसरै शप्सको जे पहेमेसे जेहा

हुवाहो उसका जगासे पुढ वहां भेडनेके लिये न उडाओ अहके कुशादा और वसीअ जगामे भेडना आडिओ.

धुमने उमर, अडधुल सुइरद.

४२ जम तुमभेसे कोध शप्स अपनी जगासे उडे और वहां शिर आवे तो वोह अपनी सामेका जगा पर भेडनेका जयादा मुस्तहिक हय.

जगिर (२०) जिन समराह.

४३ हजरत जगिर (२०) शरमाते हंय के हम जम रसूखे अकरम स-हमभके पास आते ये तो जहां मजलिस भतम होतीथी वहां भेड जते थे.

धुमने उमर भिरकात.

४४ रसूलुस्लाह सख्मभने शरमाया के किसी शप्सको जधन नहीं के हो आडभियोंके दरमियानमे जिला उन्की धानजतके अपने लिये जगा करे.

धुमने अजहदाह.

४५ रसूखे अकरम सख्मभने अल्यहडे वसहलभने शरमायाके सयसे मोअजजज मेरे नजदीक मेरे पास भेडनेवाला हय.

धुमने अजभास, अडधुल सुइरद.

४६ नथीये अकरम सख्मभने मनाअ शरमाया हय के कोध शप्स किसीका उसकी जगासे उडाकर पुढ उसकी जगा न भेडे और धुमने उमर रदी० अन्होके माअलुम था जे कोध ताअजभन अपनी जगासे उडता था वो वहां नहीं भेडते थे.

अजी डुरयरा अडधुल सुइरद.

४७ गली कुचों याअनी रास्तोमे भेडनेसे नथीये अकरम सख्मभने अल्यहडे व सख्मभने मनाअ शरमाया. लोगोंने अर्न् किया या रसूलुस्लाह धरके अंदर भेडा रहना अहोत दुधार आत हय, शरमाया अगर तुम रास्तोमे भेडा तो रास्तेका हक अदा करे. लोगोंने अर्न् किया या रसूलुस्लाह रास्तोका हक किया हय, शरमाया के पूछने वालेके रास्ता अताना और सखामका जवाअ देना और नजरके नीया रभना, अचछी आतोका हुकम करना और पुरी आतोसे लोगोके रोकना.

### अण्डुल्लाह जीन अशर.

४८ अण्डुल्लाह ध्यने अशर केहते हंय के रसले अकरम सलअम मेरे आपके पास तशरीक लाओ. मेरे वालिहने कपडा बिछा दिया और आप ऊपर बैठे गओ.

### ध्यने अण्पास.

४९ येह अत्र मसतुन हय के नय आदमी ओठे गुता निकालकर ओके तरफ रय हे.

### हमीय ध्यने अयि सायित.

५० सहाया रही० अनहुम धस पातको पसंद करते थे के नय कोध शम्स हीसी कोमसे गुदतयु करे तो किसी पास शम्सकी तरफ मुतवज्जेह न हो. पलके आम तोरपर सयकी तरफ मुतवज्जेह रहै.

### अज सधुल मुकरी.

५१ सधुल मुकरी केहते हंय के मे' अण्डुल्लाह ध्यने उमरके पास गया. वोह ओके आदमीसे पाते कर रहेथे. मे'नी पडा होकर सुन्ने लगा. उन्हे'ने मेरे सीनेपर हाथ मारा और कहा नय हो आदमियोंको पाते करते होओ. अहु' उन्की धिन्नतके उन्के पास पडे नहो, मे'ने कहा अय अयु अण्डुर राहमान युदा तुम्हारा लला करे, मंय येह याहताथा के तुमसे कोध अयली पात सुतु'.

### अण्डुल्लाह ध्यने मसउद, अदयुल मुकरद.

५२ अगर तुम तीन आदमी हो तो दो आदमी तीसरेसे' छुपाकर पात न करो धस बियेके धससे' तीसरेको रंज होगा.

### ध्यने उमर, मिश्कात.

५३ नयी सलअमने धस अत्रसे मनाअ किया हय के कोध भई हो औरतोके दरभियान होकर रास्ता यले.

### आओशाह, मिश्कात.

५४ लोगोसे उन्के दरजेके सुवाहीक पेश आओ.

जणिर जिन अण्डुहलाह कण्ठ.

प५ नय कोष आदमी आत करके कहीं यला नवे तो उरकी आत अमानत हय.

प६ अपने भाध (मुसलमान)की तरफ तेज नंजरसे देखना मकरह हय नेऊ नय वोह नवे धसे तकते रहना या येह सवाल करना के कहांसे आये हो कहां गते हो येहनी मकरह हय.

अथी अभाभा कण्ठ.

प७ अल्लाह तआला सुरा जनता हय युलह आवाजवाकेको और दोस्त रभता हय परत आवाजवाकेको.

## आयुल धस्तीजन.

सुरअे सुर इकुअ ४ आयत २८.

प८ अय मोअमिनो सिवा अपने धरके दूसरोके धरमें मत गया करो नयतक उनसे धनगत न हो और उस धरवालोको सलाम न करो. येह तुम्हारे लिये भेहततर हय शायद तुम याद रण्पो. और अगर उसमें किसीको न पाओ तो उसमें न जाओ नयतक तुमको धनगत न दी जाये और अगर तुमसे कहा जाये के फिर जाओ तो वापस यके आओ यही तुम्हारे लिये जयादा सहाधकी आत हय. अल्लाह तआला तुम्हारे आअ-भालको जनता हय. उस धरमें जानेका हरज नहीं उसमें तुम्हारा असयाय हो और उसमें कोष न रहता हो और अल्लाह हर चीजको जनता हय उसे तुम गहिर करते हो या धुपाते हो.

सुरअे सुर इकु ८ आयत ५८-५९.

प९ अय मुसलमानो लाज्ज हय के वोहनी तुमसे धनगत याहे उनके तुम मालिक हो और जे तुमसे सने शुउरको नहीं पहेंचे तीन भरतया सुणेहकी नमानसे पेहले और नय तुम हो पहरको अपने कपडे उतार हो और आअह नमाने धशाके तीनों तुम्हारे पिलवतके वक्त हय धसके आअह हरज नहीं के तुममें कोष किसीके हां आयें जायें.

धिस तराड अल्लाह तआला तुम्हारे लिये आयते पयान करता हय और अल्लाह तआला दाना और हकीम हय और नय्य तुम्हारे अक्ल सने शुकरको पढोये तो धसी तराड धनगत से नयसे उनसे पेहसे बोग धनगत सेतेये धसि तराड अल्लाह तआला अपनी आयते तुमसे पयान करता हय और अक्लाह दाना और हकीम हय.

### अहादीस

अब्दुल्लाह, अब्दुल मुकर्रद.

६० आदमीको अपने मां पाप और बाध और अहेनसें ली धनगत सेनी याहिजे.

अब्दुल्लाह बिन अशर, अब्दुल मुकर्रद.

६१ नय्य आदमी किसी दरवाने पर धनगत सेने के लिये गये तो दरवानेके सामनेसें न आये अलके दाहने पायेसें आये, अगर धनगत भिजे जेहतर वरन वापस होगये.

अब्दुल मुकर्रद.

६२ जनी आभिरका जेक शम्स रसूलुल्लाह सलअमकी पिएमतमे हाजर हुवा और दरयाहत किया मंय अंदर आउं. रसूलुल्लाह सलअमने छोडरीसें कडाके उसने अच्छे तरीकेपर धनगत तलय नहीकी उससें गकर कडा के धस तराड कडे अरसलामो अलयकुम क्या मंय दापिल हो सकताहुं? वो शम्स कहेता हय के मंयने धरको सुन लिया और छोडरीके आनेसें पेहसे कडा अरसलामो अलयकुम मंय हाजर हुं? रसूलुल्लाहने प्रभाया व अलयकुस सलाम आये, मंय दापिल हुवा और अर्ज किया के आप क्या चीज लाये हंय? रसूलुल्लाह सलअमने प्रभाया. मंय अणुण बलाध के और कुछ नही लाया, धस लिये आयाहुं के तुम सिर्फ अल्लाहकी धयाहत करो जुरका कोष शरीक नही और लातो उन्नकी धयाहत छोड दो, रात दिनमे पांच नमाने पडहो और साल भरमे जेक महीनेके रोजे रफ्फो और जानजे कामयाका हज करो और अपने मालदारोंके मालसे बो और अपने हकीरोंको दो. मंयने कडा कोष धरम अयसानी हय जे आपको माअलूम नहो. प्रभाया के अल्लाह तआलाने मुनको जेहतरिन धरम दिया हय और पांच चीजे अयसी हय के सिवा अल्लाहके किसीको उन्का धरम नही, अल्लाहकी धरम हय क्रियामतका और वोही नानिब करता



हय आराने राहमतको और जनता हय जे कुछ रहेभोमे हय याअनी लडका या लडकी, कोष नहीं जनता के कल क्या होगा और किसीको छलम नहीं हय के वोह किस जगा भरेगा.

सोपान.

६३ किसी मुसलमानको जमज नहीं हय के धनजत बेनेसे पेहले किसीके घरमे जाके और उसने अयसा किया याअनी मिला धनजतके देभा तो गोया वोह घरमे दाखिल हो गया.

अता धनने यसार भिरकात.

६४ ओक शप्सने रसूलुल्लाह सलअमसे दरयाएत किया के क्या पुनको अपनी मांसेबी धनजत लेनी याहिअे ? आपने इरमाया जेशक. उस शप्सने अर्ज किया के मंय उसके साथ ओक डी घरमे रहेता हुं. नपीये अकरमने इरमाया तपनी धनजत लेना याडीअे. उस शप्सने कडा मंय उसके भादिम हुं. रसूलुल्लाहने इरमाया के धनजत गुंउर लेना याहिअे. क्या तुम याहते हो के अपनी मांको अरहेना देपो. उसने कडा नहीं. रसूलुल्लाहने इरमाया तप धनजत लेकर जअे.

धनने उमर.

६५ जप अण्डुल्ला धनने उमरकी ओलाह आदिग हो जातीथी उनको गुदा कर देतेथे के अहुं धनजतके उनके पास न आअे.

नाकअे भिरकात.

६६ अण्डुल्ला : धनने उमरने इरमाया के जप भाबी मकानमे जअे तो कहे "अस्सलामो अलयना व अला. धयादिह्लाडिस सालेडीन." याअनी सलाम हो डभपर और अल्लाहके नेक अदोपर.

६७ अणु इरयरा केहते हंय के जे शप्स सलाम करनेसे पेहले घरमे आनेकी धनजत याहे उसके धनजत न दी जवे जपतक अव्वल सलाम न करे.

धन्स भीन मालेक.

६८ अनस (२०) केहते हंय के रसूलुल्लाह सलअमके इरवाने नापुनेसे अटपटाअे जते थे.

**अधी धुरयरा.**

६८ रसूखे अकरम सलअमने इरमाया जे शप्स धरमे जांभे उरके धरमे आनेकी धनगत नहीं देनी आडिअे.

**उमर थीन भत्ताभ.**

७० हजरत उमर (२०) इरमाते हंय लसने धनगतसे पेहले सेहने भकानमे आंका उसने दिसके किया.

**अयाज भिरकात.**

७१-रसूलुल्लाह सललल्लाहो अलयहे व सललम अडे हुवं और इर-  
माया के अल्लाह तआलाने ओहले किताअके धरमे भगयर उन्की धनगत-  
तके गना हलाल नहीं किया और उनकी औरतोको मारना न उन्के हलोको  
भाना हलाल किया हय नपतक वेह उन हुकुको अदा किये गअे जे  
उनपर वाज्ज हंय.

---

**आपुल धरलाह.**


---

**सुरअे निसा इकुअ १७ आयत ११४.**

७२ उनके अकरम भशवरोमे कुछ भलाध नहीं भगर जे हुकम करे  
सदकेका या भलाधका या अरलाहका दरमियान आहमीयोके और जे शप्स  
महज अल्लाह तआलाकी पुशनुदीके लिये अयसा करे तो हम उसको  
अनरे अलम देगे.

**सुरअे अनडाल इकुं १ आयत १**

७३ गनीमतके आरेमे लोग तुअसे पूछते हंय केह दे के गनीमत अल्लाह  
और उसके रसूलके लिये हय पस अल्लाहसे उरो और आपसमे सुलेह  
कराओ और अल्लाह और उसके रसूलकी धताअत करे अगर तुम  
सुसलमान हो.

**सुरअे आंभया इकु ७ आयत १०५**

७४ और हमने आअद नसीहतके नभूरमे लिअ दिया हय के हमारे  
शायस्ता अदे नमीनके मालिक होगे.

सुरमे कसस, इक २ आयत १८.

७५ धर्माधर्मीने कडा अथ मुसा तुं याहता हय के मुझेनी धसी तराह कस करे न्यसे तूने कल अेक आहमीको कल डीया हय और सिवा-  
नगिर होनेके तेरी काधि जाहिस नहीं. ये नहीं याहता के तुं धस्लाह  
करनेवालो भेसे हो.

सुरये हुजेरात इक १ आयत १०

७६ और अगर मुसलमानोके हो गिराह लडे' उनमे सुलेह कराहो और  
अगर अेक दूसरे पर श्याहती करे तो उससे लडो न्ने श्याहती करता हय  
न्यतक के वोह अल्लाहके हुकमी तरफ इगुअ करे और न्य इगुअ  
किया तो धस्लाह करे उनमे दुस्तीसे' और धन्साइ करे भेशक अल्लाह  
महज्जत करता हय धन्साइ करनेवालोसे सिवा धस्के नहीं के मुसलमान सभ  
आपसमे' भाध भाध हंय पस सुलह कराओ अपने हो भाधओमे' और  
अल्लाहसे' उरो शायद तुमपर रहम किया नवे.

अहादीस.

अमी दरदा, अहथुल मुकरद.

७७ नपीये अकरमने शरमाया क्या न आगाह करं मंय तुम्को उस  
दरजेसे न्ने पडड करे हय नमान रोजक और सईकेसे. उन्हो (सहाया) ने  
कडा भेशक रसलुल्लाहने शरमाया आपसमे' सुलह कराना और आपसमे'  
शसाह कराना, मिटानेवाला हय याअनी इसाह कराना धमानको मिटा देता हय.  
धमने अज्ज्भास, भिशकात.

७८ धमने अज्ज्भास केडते हंय के " धतकुल्लाह वअससेहु  
जत पयनेकुम " [अल्लाहसे' उरो और आपसमे' सुलह कराओ ] इरज  
हय अल्लाहकी तरफसे' मोअभिनीन पर के अल्लाह तआलासे उरो और  
आपसमे' सुलह करे.

अथु हुरयरा भिशकात.

७९ परहेज करे आपसमे' थुराध डालनेसे के वोह नेक फ्याअमालको  
मिटानेवाली हय.

अमी सरमे' भिशकात.

८० न्ने किसीके जरूर पहोआवेगा थुदाओ तआला इस्को जरूर पहो-  
आवेगा और न्ने किसीके अशकतमे' डालेगा अहा उसपर अशकत डालेगा.

**अम कुट्सुम षिन उकषाड, भिरकात.**

८१ अम कुट्सुम केहती हंय के भंयने रसुलुषाड सव्वमसे सुना हय के वोड जूटा नही हय जे आदमीयेमे सुख या धरुलाड कराये और अक्की पात कडे या धरुलाडकी गरज से कोषि अक्की अपर ओककी ननि-यसे हसरै के पढोयाये.

**अपी मुसा, आहया उल उलूम.**

८२ मोअमिन मोअमिनके लिये अयसा हय ज्यसे धभारत, के उरुका ओक हीसा हसरैके पाओदार करता हय.

**आहया उल उलूम.**

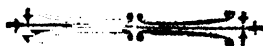
८३ लोगोंकी आपसमे सुख कराना ओहतरीन सवका हय.

**अपू साअलया, आहया उल उलूम.**

८४ अपू साअलयासे भरदी हय उन्हेने रसुलुल्लाड से धस आयत " लाय इररोकुम मन दल्ल धजल ओड तदयतुम " की तइसीर पूछी. आपने इरमाया अक्की पातका हुकम करे और पुरी पातसे मनाअ करे अगर तुमको माअलूम हो के हिसकी पायंदी की जती हय और आहेशात नरसकी पयरवी की जती और हुन्याको तरजुड दी जती हय और हर साहिजे राये अपनी राये पर नाज हय तो अपनी जनकी इकर करे और अवाभके उनके हाल पर छोडके के तुमहारे पीछे अयसे शितने हंय ज्यसे अंधेरी रातके दुकडे. जे कोष उन्मे अयसे तरीके को धपितियार करेगा जिस पर तुम हो तो उसको तुमसे पयास गिना अजर भिसेगा. किसीने पूछा या रसुलुल्लाड उंसवक्तके लोगोमेसे पयासके परापर होगा आपने इमाया नही तुममेसे पयासके परापर धस लिजे के तुमको नेक कामोमे भददगार मिल जते हंय मगर उनको बलाधकी भदद करनेवाला कोष मुयस्सर नहोगा.

**अपी अैयुथ, कन्ज.**

८५ रसुलुल्लाडने इरमाया अय अपु अैयुथ क्या भंय तुमको अयसा सवका न अतापु के अल्लाड और धसके रसुलुको पुश करे, धरुलाड करे आद-भियोकी शस वक्त उन्मे इसाद पड जवे और भिलाओ. उन्को जप्य वे। सुतइररिह हो जवे.



## પાપુલ ઇતામ્ત.

સુરએ નિસા, રૂકું ૮ આયત પદ

૮૬ અય મુસલમાનો અધાહકી ઇતામ્ત કરો ઓર રસૂલકી ઇતામ્ત કરો ઓર ઉનલોંગીકી ઇતામ્ત કરો જે તુમમેંસે હુકમરાં હંચ પસ અગર તુમમેં કિસી ચીજ પર આપસમેં ઝગડા હો ઉસે અલ્લાહ ઓર રસૂલકી તરફ રુબુઅ કરો અગર અલ્લાહ પર ઓર રોજે આપેરત પર ઇમાન રખતે હો. યેહ અચ્છા હય ઓર ખેહતર તાવીલ હય.

સુરએ નિસા રૂકું ૯ આયત ૬૯

૮૭ ઓર જે શખ્સ અધાહ ઓર રસૂલકી ઇતામ્ત કરે પસ યેહ બોગ ઉન્કે સાથ હોગે જનપર અધાહને ઇનઆમ ક્રિયા નખીયોં ઓર સિદ્દીકોં ઓર શહીદોં ઓર નેકોંમેસે ઓર યેહ રશીક બહોત અચ્છે હય.

સુરએ અનકાલ રૂકું ૩ આયત ૨૦

૮૮ અય મુસલમાનો અધાહ ઓર ઉસકે રસૂલકી ઇતામ્ત કરો ઓર ઉસસે મત કિરો જખ કે તુમ સુનતે હો.

અહાદીસ.

માલિક ઇબને અનસ, મિશકાત.

૮૯ રસૂલુલ્લાહ સલ્વમને ફરમાયા કે મંચ દો ચીજોં છોડતાહું જખતક તુમ ઉનપર કાયમ રહોગે હરગિજ ગુમરાહ નહોગે, અધાહકી કિતાબ ઓર ઉસકે રસૂલકી સુન્નત યાઅની તરીકા.

અબુ હુરયરા, મિશકાત.

૯૦ રસૂલુલ્લાહ સલ્વલ્લાહો અલયહે વસલ્લમને ફરમાયા કે જસને મેરી ઇતામ્તકી ઉસને અધાહ તઆલાકી ઇતામ્તકી ઓર જસને મુઝસે સરકશીકી ઉસને અધાહસેં સરકશીકી ઓર જસને અમીરકી ઇતામ્તકી ઉસને મેરી ઇતામ્તકી ઓર જસને અમીર યાઅની હાકિમસેં સરકશીકી ઉસને મુઝસે સરકશીકી ઓર ઇમામ દાલ હય. જસકી આડમેં લડા જતા હય. ઓર ઉસીસે બચાયા જતા હય ઓર હાકિમ પરહેજગારી ઇખતિઆર કરે.

ઝોર ધનિસાહકા તરીકા ધરતે તો ઉસકા અન્નર ઉસકા મિલેગા વર ન ઉસકા ધાર ઉસપર રહેગા.

### ઉમ્મુલ હસીન, મિશકાત.

૯૧ રસૂલુલ્લાહ સલ્લલ્લાહો અલયહે વસલ્મને ફરમાયા અગર નક્ટે અલામકો તુમ પર હાકિમ કરદિયા જાએ ઝોર વોહ કિતાબુલ્લાહકે સુવાદિક તુમકો ચલાએ તો ઉસકી સુનો ઝોર ધતાઅત કરો.

### ધખને ઉમર.

૯૨ મુસલમાન આદમોપર સુનના ઝોર ધતાઅત કરના લાજિમ હય ઉન ઉમરમે જે પસંદ હોં. ઝોર નીજ ઉન ઉમરમેલી જે પસંદ નહોં જખતક ગુનાહકા હુકમ ન દિયા જવે મગર જખ ગુનાહકે લિયે હુકમ હો તો ઉસકા સુનના ઝોર ધતાઅત કરના નહીં ચાહિએ.

### અલી (૨૦) મિશકાત.

૯૩ રસૂલુલ્લાહને ફરમાયા કે ખુદાએ તઆલાહી નાફરમાનીમે ધતાઅત નહીં કરની ચાહીએ ધતાઅત સિદ્દ નેક ખાતોંહીમે કરની લાજિમ હય.

### ધખને અખ્યાસ, મિશકાત.

૯૪ જે શખ્સ કિસી અપને અમીરકી તરફસે કોઇ ખુરાઇ દેખે ચાહીએ કે સખ્ષ કરે ધસિલાએ કે જે શખ્સ જમાઅતસેં મુશરેકત કરે ઝોર ધસી હાલમે મરજાએ તો જાહિલીયતકી મોત મરેગા.

### અખુ હુરયરા મિશકાત.

૯૫ અખુ હુરયરા કેહતે હંય મંયને રસૂલુલ્લાહ સલ્લલ્લાહો અલયહે વસલ્મને સુના કે ફરમાતે થે કે જે ધતાઅતસે ખાહર હો ઝોર જમાઅતસે અલગ હો જાએ ઝોર ધસિ હાલતે મુશરેકતમે મરજાએ તો જાહિલીયતકી મોત મરેગા. ઝોર જે અયસે ઝંડેકે નીચે લડે જિસ્કા હક પર હોના માઅલૂમ નહો ઝોર ઉસ્કા ગજખ માહજ તઅસસુખ પર મખનીહો, તઅસસુખકી લાગોંકો તરગીખ દે, ઝોર તઅસસુખકી મદદ કરે યાઅની અલ્લાહકે લિએ ન લડે. પસ અગર વોહ કત્લ હોગા તો જાહિલીયતકી હાલત મેં કત્લ હોગા ઝોર જે મેરી ઉમ્મતપર શમ્શીર કશી કરે ઝોર નેક ઝોર બદકો મારે ઝોર મોઅમિનસે દરગુન્નર ન કરે ઝોર ન સુઆહદા વાલોંકા આહદ પૂરા કરે વોહ મુઝસે નહીં હય ઝોર ન મંય ઉસસે હું.

**अपहृतला धमने उमर.**

६६ इरमाया रसलुखाड सख्यमने जे धमामसे पयअत करे और पुसस कस्यसे और अपना हाथ उसके हाथमे दे उसपर लाजिम हय के उसकी धताअत करे जहांतक मुमकिन हो अगर दूसरा उससे मुनाकशा करे तो उसको कत्ल करे।

६७ मंयने रसल सलखाडो अलयहे वसख्यमसे सुना हय के जे शप्स तुम्हारे पास आये जयके तुम अेक शप्स पर मुतद्रिक होगये हो और येह याहे के तुम्हारे गिरोहमें तदरका पयदा करेदे उसको कत्ल करेदे।

**छारेमुल अशअरी, भिश्कात.**

६८ रसलुखाडने इरमाया के पांय मीनका तुमको हुकम करता हुं जमाअतका और सुनने और धताअत करनेका और हिनरतका और अस्लाहकी राहमें कोशिस करनेका और जे शप्स अेक पालिश्तबी गीरोह से अलाहिदा हुवा हलकअे धस्लामसे पाहर हुवा मगर येह के इणु करे और जे शप्स जहिलियत के दाम्पवोंकी तरफ लोगोंको पुलाअे वोह दोज-पका अंधन हय अगरअे रोज रपये और नमान पडहे और शुमान करे के वोह मुसलमान हय.

**जियाद भिन कसीय, भिश्कात.**

६९ जियाद केहते हंय अणूअकर (२०) हमराह धमने आभिरके भिअर के करीय मेठाया और धमने आभिर पुतया केहता था और पारीक कपडेका लिपास पेहन रहाथा, अणू मिलालने कहा हमारे अमीरको देजे ओपाशुंकासा लिपास रपता हय अणूअकर (२०) ने कहा पामेश रहे मंयने रसलुखाडसे सुना हय जे उस शप्सकी अहानत करे जिसे अस्ला-हने जमीनका पादशाह बनाया हो अस्लाह उसकी अहानत करता हय.

**नवास भिन सभ धयान.**

१०० रसलुखाड सख्यमने अलयहे वसख्यमने इरमाया हय के पुदाकी नाइरमानी में किसीकी धताअत वाजिम नहीं.

**कअय धमने अणूअ भिश्कात.**

१०१ रसलुखाडने इरमाया के मंय अखाडकी पनाह याहताहुं आहमकोकी हुकमतसे कअयने पूछा या रसलुखाड धससे क्या मुराद हय

आपने करमाया मेरे अन्धा अमीर होंगे जो लोग उनके पास लगे और उनके बूटकी तसदीक करेंगे और जुल्मपर उनके मदद करेंगे वोह मुझसे नहीं ह'य और न म'य उनसे हूँ और वोह मेरे साथ होलें कोसर पर न होंगे और जो अयसे अमीरके पास नहीं लगे और न उनकी बूटी पातोंकी तसदीक करेंगे और न जुल्म करनेमें उनकी मदद करेंगे फस वोह मेरे गिरे-हसे ह'य और म'य उनमेंसे हूँ यही लोग होलें कोसर पर मेरे साथ होंगे।<sup>१</sup>

## आपुल अम्तेदाल.

सुरअे अकर ३६ १७ आयत १४३.

१०२ धसी तराह हमने तुमको मोअतेदिल उम्मत बनाया ताके तुम गवाह हो आदमियों पर और रखल तुम पर गवाह हों.

सुरअे लुकमान, ३६ २ आयत १६

१०३ और लोगोंसे ये इफी न कर और जमीन पर छतराता हुवा न यल, अह्लाह इसी गुजर और शपर करनेवालेमें महफयत नहीं रभता अम्तेदाल रभ अपनी रशतारमें और अपनी आवाज परत कर सभसे पुरी आवाज गधेकी हय.

अडादीस.

धफने अफ्मास अहपुल मुकरद.

१०४ नफीये अकरम सलज्मने शरमाया के अन्धा तरीका और नेक सीरत और मियाना रवी सितरवां हिरसा हय नफुवतका.

धफने उमर, मिश्कात.

१०५ धफने उमर केहते ह'य के उभरान्तमें मियाना रवी धभतियार करना आधी महशत हय और आदमियोंसे महफयत रभना निस्ख अकल और उम्दा तोरसे सवाल करना निस्ख धलम हय.

१. फस हदीस पर उन लोगोंको निहायत गार करना चाहिये जो उमराके पास आमदो रकत रभते और उनकी तारीफ तवसीफ हदसे लछे करते ह'य और उनकी नालिखत आदथातकी तालिफ करते ह'य.



छप्पने उभर, भिरकात

१०६ किसी शम्सको दीनमें यसीरत ज्यादा नहीं होती के उसके आअमालमें अयतदाह और मियाना रवी न आअवे.

अधी अभाभा, कन्ज

१०७ परहेज करे माल और उभराजतमें जेज सई करनेसें और अयतदाह छपतियार करे, कोछ कोम कबी शकीर नहीं होती ज्यतक अयतदाह पर रहे.

छप्पने अमीस, कन्ज.

१०८ क्या अय्यल हय अयतदाह तवंगरीमें, क्या अय्यल हय अयतदाह शकीरीमें. क्या अय्यल हय अयतदाह छप्पादतमें.

जामिर, कन्ज.

१०९ अय लोगो अयतदाह छपतियार करे, अयतदाह छप्पातयार करे, अयतदाह छपतियार करे. अय्याह किसीको तकलीशमें नहीं डालता ज्य तक तुम पुद मशकतमें न पडो.

आअेशा, कन्ज.

११० उसी कदर आअमाल छपतियार करे जिसकी तुम ताकत रपतेहो अय्याह तआला तुम्को तकलीशमें नहीं डालता ज्यतक तुम पुद तकलीशमें न पडो.

अदीआह कन्ज.

१११ मुसलमानको लाजिम नहीं के अपनेको अयसी सपतियोंमें डालकर जलील करे जिसकी वोह ताकत न रपताहो.

अय्यु मुसा, कन्ज.

११२ आदमियोंको छसलाभकी तरश थुलाओ और थुश थपरी हो और उनमें नदरत पेदा न करे.

भिकदाभ छप्पने भाअदी करण, कन्ज.

११३ ज्य तुम लोगोंमें अय्याह तआलाका निक करे तो अयसे उभरका निक न करे जिससे जोध पेदा हो और उनको शाक गुजरे.

## प्रायुल आश्रमालिस सालेडा.

सुरमे अकर, ३६, ३ आश्रम २५.

११४ ओर अश भणरी हे उन लोगोंको जे धमान लाओ ओर अशे  
अमल किये के उनके लिओ अयसे पाग हंय जिनमे नहरें नरी हंय.  
जय उनको कोष शल उसमेसे भिदे कहेगे येह वही हय जे हभको उससे  
पेहले दिया गया ओर ओक दूसरे के मुशाफेह भेवे उनको दिये जवेगे ओर  
उनके लिओ वहां पाक भाषियां हंय ओर वोह हमेशा वहां रहेगे.

सुरमे अकर, ३६, ५ आश्रम ४१-४२-४३.

११५ ओर हकमे आतिशको न मिलाओ कया तुम दानिस्ता हकको  
छुपाते हो. नमानको काधम करो ओर जकात अदा करो ओर इकुअ करने  
वालोंके साथ इकुअ करो. कया तुम दूसरोंको नेक काम करनेको केहतेहो ओर  
आपने नशको ब्रूल जते हो. हालांके तुम कितायको मउहते हो कया तुम  
समजते नहीं.

सुरमे अकर ३६ ६ आश्रम ८२.

११६ ओर जे लोग धमान लाओ ओर नेक काम किये वोही हंय  
आहले जनत, वोही अहिस्तमे हमेशा रहेगे.

सुरमे निसा ३६ १८ आश्रम १२२.

११७ ओर जे लोग धमान लाओ ओर नेक काम किये उनको हम  
अयसे पागोमे दायिल करेगे जिनमे नहरें नरी हंय वोह हमेशा  
उरमे रहेगे. अदवाहका वाओदा सय्या हय. ओर अदवाहसे अउकर  
पातका सय्या कोन हो सकता हय.

सुरमे निसा ३६ २४ आश्रम १७३.

११८ पस जे लोग धमान लाओ ओर नेक काम किये उनको अदवाह  
तयाला पूरा अजर देगा अहके अपने शजो करमसे उससे जयादा देगा  
भगर जन्हेनि गुरर ओर तकज्युर किया उनको सप्त अजय देगा ओर  
वेह जुदाके सिवा किसीको अपना यारो भदगार न पाओगे.

सुरमे भाओदा ३६ २ आश्रम १०.

११९ अदवाह तयालाने वाओदा किया उन लोगोसे जे धमान लाओ

और उन्होंने नेक काम किये के उनके लिये भगईरत और पडा अजर हय.

**सुरमे अनग्राम ३६ ८ आयत ७०**

१२० और उनको छोड दे उन्होंने लाहवे लम्पको अपना दीन करार दिया हय और हयाते हुनवीने उनको घोकैमें डाल दिया हय उनको ईमाधश करके हर शम्स अपने किरदारमें मुफ्तला किया नवेगा सिवाय अक्षाहके कोछ उरका होस्त और सीशरिश करनेवाला न होगा और अगर पूरा इह्या दे तोली नहीं लिया नवेगा. यडी लोग हंय जे अपने आअ-गालमें गिरइतार किये नवेगे उनके पीनेके लिये गर्भ पानी होगा और अजग सप्त होगा कयोके वो कुरर किय करते ये.

**सुरमे रअद ३६ ३ आयत २१-२२-२३-२४**

१२१ और नीज येह वोह लोग हंय के मिलाते हंय उनको उनके निस्के मिलानेका अक्षाहने हुकम दिया हय और अपने परवर दिगारसे उरते हंय और हिसाग ( क्रियामत ) की सप्तीसे पोर रभते हंय और निज लोगोंने अपने परवरदिगारकी रजमंटीके लिये सध किया और नमानको दाम किया और जे रिजक हमने उनको दियाथा : उसमेंसे अलानिया और पोशीदा तोर पर भय किया और पुराई के अेवजमें नेकी करते हंय उन्ही लोगोंने लिये हय दारे आपेरत. हमेशा : रेहनेके लिये आग हंय, निजमें वोह दामिल होंगे और नीज उनके पुनुगी और उनकी भीभियों और ओलाहमेसे जे नेक कार हंय, और करिस्ते जन्तके हर दरवानेसे उनके पास : आयेगे और उनसे " सलामे अदेक " करेगे और कहेगे के हुनियामे जे तुम सध करते रहे हो येह उसीका सिला हय मेा तुम्हारी हुन्याकाली अग्छा अंजम हुवा.

**सुरमे रअद, ३६, ४ आयत २६.**

१२२ जे लोग धमान लाये और नेक अमल किये उनके लिये पुश-हाली हय और अग्छा डिकाना.

**सुरमे नहल. ३६, १३ आयत ६७.**

१२३ भरहा औरतमेंसे निस्ते नेक काम किये और वोह मुसल्माननी होतो हम उनको पाडीज हयात अता करेगे और उनके भेहतर आअमालकी उनको जजमे पयर देगे.

### सुरम्मे केहेके आयत ३०-३१.

१२४ जेशक जे लोग धमान लाये और अमलबी नेक क्रिये आप्पे-  
रतमे उनके लिये मजे हय क्योके हम उनके अजरके जयेअ नहीं करते  
जे अच्छे अमल करे यही लोग हय जिनके रेहनके लिये हमेशगी के पाग  
हय के जेमे नेहरे नरी हय उनके वहां सोनेके हार नूषेनाये जयेगे  
और वो दीवान और पारीक रेशमका लिबास जेणे तन करेगे और  
तपतोपर तकये लगाये जेठे हुवे होंगे. क्या भूष सवाय हय और क्यसी  
आरामकी जगा.

### सुरम्मे केहेके ३३ १२ आयत १०७-१०८-१०९-११०

१२५ अलपता जे लोग धमान लाये और नेक अमलबी क्रिये  
उनकी जयाइतके लिये फिरसे पारीके पाग होंगे जन्मे' वोह हमेशा रहेंगे  
और वहांसे उठना नहीं याहेगे. अय मोहम्मद धन लोगोंसे कह हो के  
अगर समंदरका सारा पानी सियाही हो जय तो कपल धरि के भेरे पर-  
वरदिगारकी जाते तमाम हों समंदर पतम हो जये अजरये हम वयसाही  
दूसरा समंदर उसी मददके लाये. अय पैगम्बर धन लोगोंसे कहे के मंय  
बी तुम जयसा जेक अशर हु मगर भेरे पास पुदाकी तरफसे वही आती  
हय के तुम्हारा भाअयुद सिर्' जेकही भाअयुद हय पस जरेके अपने  
परवरदिगारसे मिलनेकी आरजु हो उसके लाजुम हय के वोह अच्छे काम  
करे और किसीके अपने परवरदिगारकी ध्यादतमे शरीक न करे.

### सुरम्मे भरयम ३३ ५ आयत ७७

१२६ और जे लोग राहे रास्तपर हय अक्षाड उनके और जयादा  
हिदायत करता हय और आअमाल नेक जनुका असर पाकी रहे सवायके  
जेअतेपारसेली अक्षाडके नजदीक जेहतर हय और अंजमके जेअतेपारसेली.

### सुरम्मे इतिर ३३ ४ आयत ३१-३२.

१२७ फिर हमने अपने जदोंमेसे उन लोगोंके कितायका वारस ठेराया  
उनके हमने मुन्तपय शरमाया फिर जन्मेसे पाअज अपनी जनोंपर  
सितम कर रहे हय और पाअज जेअतेदास पर हय और पाअज उन-  
मेसे पुदाके हुकमसे नेकियोंमे आगे जडेह हुवे हय येह पुदाका पडा इजल  
हय. और हमेशा रेहनके ये पाग हय के ये लोग उनमे जयेगे और जन्मे

उन्को सोनेके कुंगन और मोती पहनाये जायेगी और वहां उन्का विवाह  
देखी जायेगा।

सुरमे जुमर ३६ २ आयत १०

१२८ अथ पैगम्बर इन लोगोंसे कह दो अथ मेरे पेटो ने धमान  
लाये हो। उरो अपने स्वसे ने लोग इस दुन्यामे नेकी करते हंय उन्के वीचे  
बलाध हय और पुदाकी जमीन वसीअ हय सध करने वालोहीको जेहिसे  
अनर दिया जायेगा।

सुरमे तगाथुन, ३६ १ आयत ८

१२९ और रोजे क्रियामत जिसदिन अदवाह तुम्को जमाअ करेगा  
असारेका दिन हय. और जे शम्स धमान लाये और नेक अमल करे  
पुदाये तआला उसकी पुराधयां हर करेगा और उरको अथसे पागोमे दामिल  
करेगा जिन्के नीचे नेहरे नरी. हंय वोह इन पागोमे हमेशा रहेगे.  
असलमे यही पडी कामयाबी हय.

सुरमे अश्र,

१३० अश्रके वक्तकी कसम, के तमाम आदमी धाटेमे हंय, अगर जे  
धमान लाये और नेक अमल किये और अेक दूसरेको हककी हिदायत करते  
रहे और नीज जे अेक दूसरेको मुसीबतमे सधकी हिदायत करते रहे.

पाप धकामील अकबिरे व धजलालेहीम तवकीरेहीम. ■

अज जभिर.

१३१ रसूले अकरम सदखदलाहो अत्रयहे वसदखमने इरमाया के, जे  
हमारे पुनुगोकी धजगत न करे और हमारे छोटां पर रहम न करे वोह  
हमसे नहीं हय.

अज अशअरी.

१३२ अदवाहकी धजगत करनेमे दामिल हय धजगत करनी पुटे  
मुसलमान और हाकिमे कुरआनकी जे गावी और नरी नहो और धजगत  
करनी पाइशाह आदिलकी.

**સમ્બંધ ધળને આસ.**

૧૩૩ રસૂલુલ્લાહને ફરમાયા કે બહે ભાઈકા હક છોટે ભાઈઓં પર અયસા હય જયસાકે બાપકા હક બેટે પર.

**અનસ.**

૧૩૪ રસૂલુલ્લાહને ફરમાયા કે કોઈ જવાન કિસી ખુદે શખ્સકી ઉસ્કી કિથ સનીકી વજેહસે ઇજ્જત કરતા હય તો ખુદાએ તઆલા ઉસ્કી પીરીકે જમાનેમેં અયસા શખ્શ પેદા કરહેતા હય જે ઉસ્કી ઇજ્જત કરે.

**ધળને અખખાસ.**

૧૩૫ રસૂલુલ્લાહને ફરમાયા વો શખ્સ હમારે ગિરોહસે નહીં હય જે હમારે છોટોંપર રહમ ન કરે એર હમારે ખુન્નુર્ગકા અદખ ન કરે એર ભલા-ધકી તરગીખ ન દે એર ખુરાહસે મનાઅ ન કરે.

**આહયાઉલ ઉલુમ.**

૧૩૬ જિસને અપને મુસલમાન ભાઈકી ઇજ્જત કી ઉસને ગોયા અલ્લાહકી ઇજ્જત કી.

**જમરા.**

૧૩૭ વોહ શખ્સ હમારે ગિરોહમેંસે નહીં હય જે હમારે બહેકી ઇજ્જત ન કરે એર છોટેપર રહમ ન કરે ખુન્નુર્ગકા હક ન સમજે એર વોબી હમમેંસે નહીં હય જે હમારે સાથ ખિયાનત કરે કોઈ મુસલમાન ઉસ વક્ત તક મુસલમાન નહીં હોતા જખતક મુસલમાનકે લિયે વોહી પસંદ ન કરે જે અપને લિયે પસંદ કરતા હય.

**અબી હુરયરા, તરગીબે તરતીબ.**

૧૩૮ ફરમાયા રસૂલુલ્લાહ સલ્અમને કે ઇલમ સિખાઓ એર ઇલ્મકે લિયે સુકુન એર વકારકી તાઅલીમ દો એર જસસે ઇલમ હાસિલ કરો ઉસ્કે સાથ તવાન્નેઅસે પેશ આઓ.

**સહલખીન શાઅદી, તરગીબે તરખીબ.**

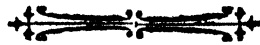
૧૩૯ રસૂલે અકરમ સલ્અમને ફરમાયા અય અલ્લાહ મંય અયસે જમાનેકો ન પાકિં યા થેહ ફરમાયા કે તુમ અયસે જમાનેકો ન પાઓ જસમે

आलिमकी धताअत न की जवे और आलिमसे शर्म न की जवे, इन्के हिल अजभियोकेसे होगे और जपान अरपकीसी.

अथी अभाभा, तरजीये तरतीय.

१४० तीन आदभियोकी तवहीन सिवाय मुनाशिकके कोष नहीं करता थुटे मुसलमानकी, और आलिमकी और धभाम आदिलकी.

याय धिकाभील अकाबिरे व धन्सावेहीम तवडीरेहीम.



### याय धकतसाबिल मन्शा.



सुरओ अकर, ३कु २प आयत १८८.

१४१ धसमे' कुछ हरज नहीं के तुम अपने रपका खजल याहो याअनी मसलन तिजरतसे कोष भाली द्वाअेदा हांसिल करे.

सुरओ अकर, ३कु २प आयत २०२

१४२ और याअज उनमे'से केहते हय के अय हमारे परवर दिगार हुन्यामे'भी हमको बलाध अताकर और आपेरतमे'भी और हमको दोजअके अजअसे अया यही' वोह लोग हय जिनको अपनी कमाधमे' हिससा याअनी सवाय हय और अदलाह जल्ल हिसाम लेनेवाला हय.

सुरओ निसा, ३कु ५ आयत २२.

१४३ और उस खीजकी तमन्ना न करै जिसमे' अदलाह तआलाने तुममे'से याअजको याअज पर खजत दी हय भरदोंका हिससा हय अपनी कमाधमे' और औरतोंका हिससा हय उन्की कमाधमे', और अदलाहके इजलके आहां रहे, जेशक अदलाह हर खीज को जनता हय.

सुरओ आअराइ ३कु १ आयत १०

१४४ और अय यनी आदम हमने तुम्को जमीनमे' कुदरत अताकी और उसमे' तुम्हारे लिये मन्शा पेदाकी लेकिन तुम अहोतडी कम शुक्र करते हो.

**सुरमे मुन्गुम्बिल, ३३ २ आयत २०**

१४५ ओर दूसरे वोड हंय के 'नभीनमे' :सहर करते हंय अस्लाहके हजलसे रोजके तलयगार हंय.

**सुरमे नभा, आयत २०**

१४६ ओर हमने रातको खियास पनाया ओर दिनको रोजके लिये पनाया.

**अहादीस.**

**अपहुस्लाह धपने भसउद, अयइल भवाधु.**

१४७ हलोख रोजका पेदा करना इर्ण हय आअद इराधुके याअनी आअद नमाण रोजके.

**राइअ.**

१४८ दरयाइत किया गया के या रसलुस्लाह कोनसी कमाध सपसे ओहतर हय आपने इरमाया के अपने हाथकी मेहनतकी कमाध ओर हर तिनरत निसमे किण्य ओर पियानत नहो.

**आहुयाउल उलुम.**

१४९ इससे ओहतर हलाखका आना कोध नहिं आ सकता जे अपने हाथकी कमाधसे आता हय. ओर इजरत दाउद अलयहिस्सलाम अपने हाथकी कमाधसे आते थे.

**आहुयाउल उलुम.**

१५० जे शम्स गद गिरीसे पयने ओर अपने आहलो अयाखकी परवरिश करने ओर हमसायुंकी अयरगीरीके लिये हलाख तरीकेसे हुन्या तलय करे खुदा तआलाके पास वोड अयसी हालतमे जवेगा के उरका येहरा अदरे मुनीरकी तराह यमकता हुवा होगा.

**आहुयाउल उलुम.**

१५१ सपसे जियादा हलाख रोज जे धनसान आ सकता हय वोड उरके हाथकी कमाध हय जणके आलिस हो, याअनी दगा इरेअसे पाक हो.



धुआरी.

१५२ तुमसे किसी शप्सका लकडीयांका गढ़ा अपनी कमरपर लाना किसी दूसरे शप्ससे सवाल करनेसे बेहतर है के हैं या न है.

धुआरी.

१५३ तुमसे किसी शप्सका अपना गार आप उठा लेना सवाल करने यांअने लीक भगनेसेबेहतर है.

१५४ अनसारमेसे एक शप्स रसूलुल्लाह सव्यमसे कुछ भांगने आया आपने इरमाया के क्वां तेरे घरमे' कोछ चीज नही? उसने कहा सिर्फ एक कम्मल है के कुछ हिरसा उसका जोड़ लेते कुछ पिछा लेते हैं और एक कलसहे है जिससे पानी पीते हैं. रसूलुल्लाहने इरमाया दोनों मेरे पास लाओ. वोह ले आये रसूलुल्लाहने उन दोनोंको हाथमे लेकर कहा के छन्दे' कोछ ખरीदता है हाजरीनमेसे एक शप्सने कहा के मंय छन दोनोंको एक इरममे' लेता हूं. आपने दो या तीन भरतया इरमाया के एक इरमसे नजदनी कोछ देता है ? दूसरे शप्सने कहा के मंय दो इरममे' लेता हूं. रसूलुल्लाहने वोह उरको दे दिये और दोनों इरम लेकर अनसारीको दिये और इरमाया एक इरमसे अश्यामे खुरदनी लाकर अपने आहलो अयालको दे दो और दूसरेकी कुल्हाडी खरीदकर मेरे पास लाओ. वोह कुल्हाडी खरीद कर लाओ तो रसूलुल्लाहने अपने हाथसे उसमे' हस्ताह लगा दिया और उनसे कहा नज्जो और लकडीयां लाकर इरोप्त करो. मंय तुम्हो पंदरा रोजतक न देभुं, वोह अले गये और लकडीयां (जंगलसे) लाते और इरोप्त करते रहे नज्ज दुबारा रसूलुल्लाहकी पिदमतमे' हाजिर हुये हस इरम उन्के पास नभाअ होगये थे. उनमेसे अंद इरमका कपडा खरीदा और अंद इरमका आनेका सामान. रसूलुल्लाहने इरमाया के येह उससे बेहतर है के क्रियामत के दिन लीक भांगनेके सव्य सियाहीका टीका तुम्हारे माथे पर हो. सवाल करना तीन आदभियोके सिवा किसीको शायं नही. १ निहायत सप्त भूकेको २ या जिसपर बेहैद तावान आ पडा हो. ३ या सप्त दैत अदा करनी हो.

अथरुल भवाधुन अन अथी हुरयरा.

१५५ अल्लाह तआला पाक है पाकके सिवा किसी चीजको कुपल नही करता. अल्लाह तआलाने मुसलमानोंकोभी उसी तराह हुकम दिया है

जिस तराह अणियाको हुकम दिया है अणियासे इन्द्रमाया के अण रससे पाक यीनेभेसे पाओ और नेक अमल करो. और मुसलमानोंसे इन्द्रमाया अण भोअभिनो ने पाक रोणु हमने तुम्हो दी है उसभेसे पाओ शिर जिह इन्द्रमाया के आदमी परेशां-गिर्द उडाता हुवा शिरता है अडे अडे सहर करता है और हाथ आसमांकी तरफ डेलाता है, के या रण या रण. उरका भोना हरामका है, पीना हरामका है, लिप्तास हरामका है, पस किस तराह उरकी ये दुआ कथूल की न सकती है.

**भिरकात, अन धणने भसउद.**

१५६ इन्द्रमाया रसलुल्लाह सख्यभने अण लोगो कोअ अयसी यीन पाकी नहीं रही ने तुम्हो नन्नतसे करीण और दोणभसे दूर करे के उरका भंयने तुम्हो हुकम न किया हो और अयसीली कोअ शय नहीं रही के तुम्हो आगसे करीण और नन्नतसे दूर करे जिससे भंयने तुम्हो भनाअ न किया हो, इहल अमीनने भेरे दिलभे डाला है के कोअ शप्स हरगिण नहीं भरेगा न्यतक अपना रिणक पूरा न करे पस अल्लाहके गणभसे उरते रहे और रोणु तलाश करनेभे भूण कोशिश करो और तंगीये मआश तुम्हो धस पातपर आमाद न करे के नाजधज याअनी मआसीके नरीअे रोणु पेदा करो ने यीन अल्लाह तआलाके कणनअे कुदरतभे है वोह ने उरकी धताअतके हासिल नहीं होती.

## इअलीलतिअरत.

**सुरअे अनसार इकु ५ आयत रहे.**

१५७ अण भोअभिनो नाहक और नाजधज तोरपर अपने मालोंको आपसभे न पाओ मगर येह के आपसभे अ रणभंदी दादो सितद तिण-रतकी हो, और अपनी ननोंको हलाकतभे न डालो भेशक अल्लाह तुमपर भहरपान है.

**सुरअे नहल इकु २ आयत १४.**

१५८ और वोह याअनी अल्लाह वोही है असने सभंहरको तुम्हारा मुतीअ कर दीया ताके तुम उसभेसे ताज गोस्त पाओ और अपने पहे-

ननेके लिये नेवर उसमेसे निकालो, और (अथ सुभातिथ) तुं देभता हय  
के क्रियतिथां समंदरके धाडती यही जती हंय ताके तुम अस्लाहके इन्लसे  
भयाश तक्षय करो और शायद तुम शुक्र गुजर हो।

**सुरखे इतिर ३३ २ आयत १२.**

१५८ दोनों ध्यां परापर नहीं ये एक भीडा निहायत शीरी और पुश-  
गवार हय, और ये भारी कडा हय, तुम हरखेकमेसे ताज गोस्त पाते  
हो और नेवर पडेननेके लिये जवाडेरात निकालते हो और तुम देभते हो।  
के क्रिती या जडाज उरके धाडता हुवा यहा जता हय ताके तुम अस्ला-  
हके इन्लसे भयाश तक्षय करो और शायद तुम शुक्र करो।

**सुरखे अकर ३३ ३८ आयत २७५.**

१६० और अस्लाह तयालाने तिजरत हलाक की और सह हराम क्रिया.

**सुरखे अनी धस्लाजल ३३ ७ आयत ३६.**

१६१ तुम्हारा परवरदिगार वोह हय जे तुम्हारे लिये समंदरो जडा-  
जेके यहाता हय ताके तुम उरका इन्ल याअनी भयाश तक्षय करो, धस्ले  
शक नहीं के भुदाये तयाला तुमपर मेहरमान हय.

**अडादीस.**

**अथी सकद अयडल भवाजज.**

१६२ सब्या और अमानतदार सोदागर क्रियामतके रोज अंभिया और  
सिदीके और शहीदके साथ उहाया जवेगा.

**आहुयाउल उलुम.**

१६३ सभसे जियादा हलाक रोज जे आदमी भा सकता हय वोह  
उरकी कमाज और हर तिजरत हय जिसमे अष्ट और भियानत शामिल नहो.

**आहुयाउल उलुम**

१६४ तिजरत तुम्हो जुडर करना यादिये धसलिये के ८/१० डिस्स  
रिजक तिजरतमे हय.

**सुहयथ, भिश्कत.**

१६५ तीन खोजेमे अडोत परकत हय तिजरतमे और आपसमे

એક દૂસરેકો કરન દેનેમેં ઝોર ધરમેં ખાનેકે લિયે નકે દૂરોપ્ત કરનેકે લિયે ધકકે સાથ જવ મિલાનેમેં.

**જાધિર, મિશકાત.**

૧૬૬ અલ્લાહ તઆલા ઉસ શખ્સ પર રહમ કરતા હય જે ખરીદને બેચને ઝોર તકાળ કરનેમેં નરમી ઇખ્તિઆર કરે.

**વાસલા, આહ્યાઉલ ઉલુમ.**

૧૬૭ અલ્લાહ તઆલા રહમ કરે ઉસ પર જે બેચનેમેં નરમી ખરતે ઝોર ખરીદનેમેં નરમી ખરતે ઝોર કર્ન દેનેમેં નરમી ખરતે ઝોર કર્ન માગનેમેં નરમી ખરતે.

**અખી ફતાવા, ખયરુલ મવાઇજ.**

૧૬૮ ખરીદો દૂરોપ્તમેં કસમસે કસમેં ખાનેસેં પરહેજ કરો ઇસલિયે કે કસમસે ઉસવકત કામ ચલ જતા હય મગર ખરકત નહી રહેતો.

**આબુ હુરયરા, ખયરુલ મવાઇજ**

૧૬૯ કસમ રિવાજ દેતી હય માલકો કમ કરતી હય ખરકતકો.

**આહ્યાઉલ ઉલુમ.**

૧૭૦ બાયેઅ વ મુક્તરી અગર સયં બોલેં ઝોર એક દૂસરેકી ખેર ખાહી કરેં તો વોહ મુઆબેલા દોનોકે લિયે મુજબે ખરકત હોગા ઝોર અગર અયબકો છુપાએં ઝોર ઝુટ બોલેં તો ખરકત જતી રહેગી.

૧૭૧ કિસી શખ્સકો જાઇજ નહીં હય કે કિસી ચીજકો બિદુ ઉસ્કા અયબ જાહિર કિયે શરોપ્ત કરે ઝોર જે શખ્સ ઉસ્કે અયબસેં વાકિફ હો ઉસ્કો હલાલ નહીં હય સિવાય હસ્કે કે ઉસ્કો જાહિર કરદે.

**આહ્યાઉલ ઉલુમ.**

૧૭૨ ઝુટી કસમસે માલ દૂરોપ્ત હો જતા હય ઝોર કમાઇ મિટ જતી હય.

**આહ્યાઉલ ઉલુમ.**

૧૭૩ ત્રીન શખ્સ હંય કે અલ્લાહ તઆલા કિયામતકે દીન ઉનકી

तरक न हेपेगा ओवल यधभूमत क्यगिर हुवम अपनी दी हुध यीनपर  
अेडसान नितानेवावे सुवम अपना भाव कसमपर जेयनेवावे.

**अपीनर भयडल भवाधन.**

१७४ तीन शप्स हंय हे क्यामतके रोन अदत्राड तयाला न इन्से  
कलाम करेगा न उनकी तरक हेपेगा ओर न उनको पाकीन करेगा ओर इन्के  
लिये सप्त अज्ज होगा, अज्जनेरने छडा टोवेमे रहे ओर भायुस हुवे.  
या रसलुदत्राड वे कान हंय आपने करमाया अेक गुइसे आनर लटकाने  
वाला हसर अेडसान नितानेवावा तीसरा जुटी कसमसे भाव जेयनेवावा.

**आपेद पिन रकाअह भयडल भवाधन.**

१७५ तानर लोग क्यामतके दीन हासिकों शनिरैके साथ उहाअे  
नधगे सिवाय इन्के अन्डोंने परडेनगारी धपतियार की ओर रास्तयाज रहे.

**अज्ज डुरयरा भिरकात.**

१७६ अदत्राड तयालाने करमाया हय नज्ज दो आदनी शरीक होते  
हंय इन्मे तीसरा भंय करीक हो नता हुं नज्जतक अेक हुसरेसे भिया-  
नत न करे मगर नज्ज इन्मेसे कोअ भियानत करता हय भंय इन्से अवाडेदा  
हो नता हुं.

**अज्ज डुरयरा आडयाडल उडुम.**

१७७ अदत्राडका हाथ दो शरीकोंपर हय नज्जतक ये आपसमे भिया-  
नत न करे ओर नज्ज वोड भियानत करते हंय अदत्राडका हाथ इनपरसे  
उड नता हय.

**हुकीम धपने मुराम धुपारी.**

१७८ आपेअ व मुस्तरिकी इशमे मुआमलेका धपतियार हय नज्जतक  
वोड नुदा नहों पस अगर इन्डोंने रास्तयाअ अरती ओर उका अयज्ज  
वगयरा भयान कर दीया तो इन्के मुआमलेमे अरकत ही नज्जेगी ओर  
अगर धुपाया ओर जुट जेवे तो अरकत नती रहेगी.

**आडया उड उडुम.**

१७९ उका धीका देना या नुकसान पहोंयाना हराम हय जो अपने  
उपर करीता करे.

आहूया उल उलुभ

१८० आहूयके सोदागरेसे आगे अड कर मत भरीदा और जे उन्से भरीदिगा तो माल वायेके धर्मितियार होगा आन्तरमें आनेके आम्ह.

आहूया उल उलुभ.

१८१ जे शम्भ गल्लेके आलीस रोजतक रोक रम्भे तो वोह अल्लाह तआलासे परी हुवा अल्लाह तआला हिससे परी हुवा.

## आपुल अमानत.

सुरअमे आले धमरान इकु ७ आयत ७५.

१८२ और आहूये किताबमें आम्हण अयसे हंय के अगर तु उन्के पास जरे नकदका ढेर अमानत रम्भे वो तुझे अदा कर देंगे, और आम्हण उन्में अयसे हंय के ओकहीनारबी उन्के पास अमानत रम्भे तो वोह अदा नही करेगे मगर जमतक तु उन्के सरपर अडा हय और येह धस लिये ते वोह डेहते हंय के जडेवोके हुकका हमपर गुनाह नही हय, और दानिस्ता अल्लाहपर जुट भोलते हंय, जे अपना धरार पूरा करे और आह मुआमलगीसे अये भेशक अल्लाह जयने वालीके दोस्त रभता हय.

सुरअमे निसा इकु ८ आयत ५८.

१८३ पुदाअे तआला तुमके हुकम देता हय के अमानत रभने वालीके उन्ही अमानते अदा करे, और येहबी हुकम देता हय के जय तुम लोगोमें ईसला करे तो धन्साइसे ईसला करे भेशक अल्लाह तुमके भेडतर नसीहत करता हय, अल्लाह देभनेवाला सुनेवाला हय.

सुरअमे अनइल इकु १६ आयत १०८.

१८४ अय पयगम्बर हमने किताब परहक तुअपर नाजिल की हय ताके जयसा तुमके पुदाने जता दिया हय उन्के मुताबिक लोगोमें हुकम करे और आयेतोके तरइदार न जने और पुदाअे भगइरत आहो, के अल्लाह अप्शनेवाला भेडरआन हय. और उन्ही तरइसे मत अगडे जे पुद अपनी जतसे भिदानत करते हंय अल्लाह

तथात्वा भाषन शुनाहगारसे महत्प्रयत्न नहीं रभता, येह लोग आदिभियेसे छुपाते और वोह उनके साथ होता हय जगके वोह शपको अयसे उभूरका गश्चर करते हय जिन्से अदवाह राशु नहीं और अदवाहके अघातमे धरममे था जे वोह करते थे.

१८५ और अगर तुमको किसी कामसे भियानत करनेका पोर हो तो उनके मुआहदोंके मसावियाना तोरसे: उनकी तरफ डालहो अदवाह हगायान्नेसे महत्प्रयत्न नहीं रभता.

**सुरमे युसुइ इक.**

१८६ हजरत युसुइने कहा येह छसत्रिये ताके उरको भाअलूम होके मयने गाअेयाना भियानत नहीं की और अदवाह भियानत करनेवायोंका इरेअ नहीं यलाता.

अदादीस.

**अयु डुरयरा, भिरकात**

१८७ जे तुम्हारे पास अमानत रभये उरकी अमानत अदा करे और जे तुमसे भियानत करे तो उससे तुम भियानत न करे.

**अनस, भिरकात**

१८८ रसूलुदवाह सख्यमका शान्ने नाहिर कोअ पुत्या होगा निरमे येह न कहा हो के जिसमे अमानत नहीं उरका धमान नहीं और निरका आहह मज्युत नहीं उरका दीन नहीं.

**अयुदुदलाह धयने उभर, अदयुल मुइरद.**

१८९ यार असलतें हय अगर वोह तुअमे हों तो हुन्याके किसी चीजके कम होनेमे कुछ डरज नहीं. हुसने पुलक, अकवे हलाल, सिहके मकाल, डिधानते अमानत.

**अनस, भिरकात.**

१९० मोअमिनमे तमाम असाधल पेदा हो सकते हय सिवाय भिया नत और अुठ के.

### आप्यादा धुप्ने सामत, भिश्कात.

१८१ छ चीन्नेकी तुम जमानत करे। मयं तुम्हारे लिये जमतकी जमानत करता हूँ। सय थोको जप कोध आत कडो, और पूरा करे जप वाअदा करे, अगर तुम्हारे पास अमानत रप्पी जअे उस्को अदा करे, और अपनी शर्मगाहोंकी डिक्कानत रप्पो, और आपे नीची रप्पो और हाथोंका रेको।

### उभर भिश्कात.

१८२ जप तुम्को माअलुम होके किसी शप्सने अह्लाहकी राहमें पियानत की तो उस्का अस्याम जला हो और उस्को भारो।

### अदी कुन्हुल आअमाल.

१८३ अमानतसे रिजक हांसिल होता हय और पियानतसे इक.

१८४ जप कोध शप्स आत डेह कर यला जये तो वोह आत अमानत हय. (उस्को जडिर न करना आडिये.)

१८५ तमाम मजलिसोमें अमानतदारी लज्जम हय सिवाय तीन मजलिसोंके याअनी पूनरेल व हरामकारी, और अगयर हकके किसीका भाव ले लेनेके लिये हों. (धन्में अमानत न आडिये.)

### धुप्ने मसउद भिश्कात.

१८६ ज्जमें अमानत नहीं उस्का धमान नहीं, और ज्जका आइह मज्जुत नहीं उस्का दीन नहीं. इसम हय इस जगतकी जिस्के कयन्नेमें मोड-म्हद (स. अ. व.)की जन हय किसी शप्सका दीन हीक नहीं होता जपतक उस्की जपान हीक न हो और जपान हीक नहीं होती जपतक उसका दिन्न हीक नहो। वोह शप्स जन्नतमें दापिल न होगा ज्जका हमसाया उस्के अवाचक (शर) से माइकुज न हो। लोगोंने पूछा या रसुलुल्लाह (स. अ. व.) अवाचक क्या हय ? इरमाया के उस्को धोका देना और उसपर जुल्म करना ज्जके पास भावे हराम हो और उस्को अर्थ करे उसमें अरकत नहीं होगी और अगर उसमेंसे सदका दिया जअे तो वोह कुयुध न होगा और जे पाकी रहे वोह दोज्जमें जननेके लिये नहो राइ हय भावे हराम. हराम चीन्नेका कक्षारा नहीं हो सकता अगर पाक भाव नेक दामोंके इत होनेका कक्षारा हो सकता हय.



### उमर कुन्तुल आब्रमास.

१८७ किसीकी जियादा नमान पडने या रोज रफनेकी तरफ नजर न करो बल्के येह दृषो के नय भात करता हय तो सय जोलता हय और अमर उसके पास अमानत रफ्फी जवे तो अदाबी करता हय. और नय मशकतमें मुयतिला होता हय तो परहेनगारीभी धपतिआर करता हय.

### प्रापुल अब्रेषिल भाअरु वनाह्ये अनिल मुकर.

सुरअे आले धआन, इकु ११ आयत १०४ १०५

१८८ लाजिम हय के ओक गिरोह तुममें अयसा हो जे के लोगेके बलाघडी रगयत हिलाओ और अच्छे कामेका हुकरा हे. और पुराभयेसे मनाअ करे और यही लोग मुरादके पानेवासे हय.

सुरअे आले धआन, इकु १२ आयत ११०

१८९ जे उम्मतों दुन्यामें पैदा की गय हय तुम मुसलमान उन सयसे जेहतर छोके हुकम करते हो बलाघडा और रोकते हो पुराभके और धमान लातेहो. अदत्राह पर अगर आइके किताअबी धमान लाते उनके लिये जेहतर होता. पाअज हनेसे मोअमिन हय मगर अकसर हासिक हय.

सुरअे आले धआन, इकु १२ आयत.

२०० वोह सभ पुराअर नहीं हय आइके किताअमेंसे पाअज राहे रास्त पर हय के रातोके अदत्राहकी आयते पडते हय और सिजदा करते हय अदत्राह पर और रोजे कियामत पर यकीन रफते हय और बलाघडा हुकम करते हय पुराअसे मनाअ करते हय और अच्छे कामेमें सयकत करते हय यही लोग हय सावेहीनमेंसे.

अहादीस.

कपीसा, अदपुल मुकरह.

२०१ कपीसा केहते हय मय रसलुस्लाह सल्लस्लाहो अलयहे व सधमके पास हाजिर था. मयने सुना के आप शरमाते थे जे लोग

दुन्यामें आडले भयर हंय वोड आपेरतमेंली आडले भयर हंय. और जे दुन्यामें आडले शर हंय वोड आपेरतमेंली आडले शर हंय.

**हरमला थीन अण्डुल्ला.**

२०२ हरमला (अपने धरसे) यले रसूलुल्लाके पास आये और धरना क्याम किया के रसूलुल्ला (स.) उनको पेहचानने लगे जय रवानगीका करे हुवा अपने दिलमें प्यात्र किया के य भुदा मंय रसूलुल्लाके सदअमके पास छसि लिये आया हुंके छदममें कुछ छज्जश हो. पस मंय रसूलुल्ला (स.)की जिदमतमें छान्जिर हुवा और सामने भडे होकर मंयने अर्ज किया या रसूलुल्ला (स.) मुझे क्या हुकम हय आपने इरमाया अय हरमला नेक काम करे और पुराछसे परहेज करे. मंय वापस काहिलेमें यला आया. फिर रसूलुल्ला (स.) के पास आया और पेडलेकी य नीसयत करीयतर भडा हुवा. अर्ज क्या या रसूल (स) आप क्या काम करनेका हुकम देते हंय ? इरमाया अय हरमला बलाछ कर और पुराछसे परहेज कर और तअम्मुल कर के जे काम अयसा हो के उसके करने पर तेरे पाअदमें काम जे कुछ कहे वोड तेरे कानोंको बला माअलुम हो उसको हर और जे काम अयसा होके उसपर तेरे पीछे जे कुछ कडा जवरे वोड तुअके पुरा माअलुम हो उससे परहेज कर पस जय मंय वापस आया और सोया तो छनि दो कदमोंसे कोछ चीज प्याडी नहीं रही.

**जान्जिर अदयुल मुदरद.**

२०३ हर बलाछ सदका हय याअनी जे नेक काम किया जये मिसल सदके के सवाय उसका होता हय.

**अदयुल मुदरद.**

२०४ इरमाया नपीये अकरम सदकल्लाहो अलयहे व सदकमने हर मुसलमांको सदका देना जान्जिम हय. लोगोंने कडा अगर उसके पास कुछ न हो इरमायाके उसे जान्जिम हय के अपने हाथसे काम करे भुदली नशाय उदाअे और सदका दे. लोगोंने कडा अगर येहली न कर सके या न करे इरमायाके जानतमंद मजलूमकी मदद करे लोगोंने कडा अगर येहली न करे इरमाया बलाछकी तरगीय दे. उन्होंने कडा अगर येहली न करे इरमाया शरसे जये येहली उसके लिये सदका हय.

**आयु जर, अदयुल मुदरद.**

२०५ आयु जर रदियल्लाहो अनहोने रसूल सदअमसे पूछा के, कोन्सा

अमल सभसे अगुआ हय. इरमाया के खुदा तआलापर धमान लाना और  
 इस्की राहमें जेहाद करना, पूछा कौन्सा गुलाम आनद करना सभसे  
 बेहतर हय. इरमाया जे कीमतमें जियादा हो और मालिकोंके नजदीक भाई-  
 भूय तर हो. पूछा अगर भंय येह न कई इरमायाके किसी काम करनेवालेकी  
 मदद कर या खुद अयसा काम कर जिसमें किन्तु और लगव न पाया  
 जाये. पूछा अगर भंय येह न कई इरमायाके लोगोंके साथ पढी करनी  
 छोड दे येह वोह सटका हय के तुअको अपनी जगतसे करना चाडिजे.

### अमी सभदुल उजरी, भिश्कात

२०६ जे शम्स तुममेंसे कोछी पुराछ हये उसे चाडिजे के अपने  
 हाथसे इस्की दुस्ती करे अगर इस्की कुदरत न हो तो जमानमें, इस्कीभी  
 कुदरत नहो तो दिलसे और येह जहद तरीन धमान हय.

२०७ किसी ललाछको छकीर पियाल न करो अगरये अपने अपने  
 ललाछसे अप्पंदा पेशानी मिलनाही क्यों न हो.

### पदीक्षा.

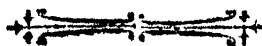
२०८ नबीये अकरम सललल्लाहो अलयहे व सल्लमने इरमाया के  
 कसम हय उस जतकी अस्के हाथमें मेरी जन हय तुमको चाडिजे के नेकीका  
 हुकम करो और पुराछसे मनाअ करो वरन अनकरीय अदलाद तआला  
 अपने पाससे तुमपर अज्जय नाजिल करेगा फिर तुम हुआ गांगे तो  
 वोहभी कुयुल न होगी.

### हुरीर पीन अज्जदलाह भिश्कात.

२०९ मयने रसूले अकरम सललल्लाहो अलयहे व सल्लमसे सुना हय  
 के अगर किसी कामका कोछ आदमी गुनाह करे और काम इस्के रोकनेकी  
 कुदरत रपती हो. मगर न रोके तो उस कामपर इस्के सभअसे अज्जमे  
 छलाही नाजिल होगा पेइसे छससे के वोह अरे.

### अयु भूसा अशअरी भिश्कात.

२१० कसम हय उस जतकीके अस्के हाथमें मोहम्मद (स. अ. व.)की  
 जन हय माअइको मुनकर याअनी ललाछ व पुराछ दोनों मअलुक हंय  
 क्रियामत के रोज दोनों अडे होंगे. ललाछ आहले अयरको पुशअरी होगी और  
 उनसे अगुआ अगुआ वाअदे करेगी और पुराछ कहेगी भंय आती हुं भंय  
 आती हुं और अदकिरदार लोग उससे अय न सकेंगे.



## आपुल धन्शके ई सपीलिह्लाह

२११ ओर अह्लाहकी राहमें भर्ष करो ओर अपने आपको अपने हाथीसे हलाकतमें न डालो ओर ओहसान करो के अह्लाह ओहसान करने वालीसे मोहब्बत रभता हय.

सुरओ अकर इकु २६ आयत २१५.

२१२ अय पयगंबर लोग तुमसे पूछते हंय के वोह जुदाकी राहमें क्या भर्ष करे तो हुन्से केह हो जे मालके तुम भर्ष करो अपने भांपाप ओर अकरया ओर यतीमों ओर भिस्कीनों ओर मुसाफ़रीके लिये करो ओर जे मलाध तुम करोगे अह्लाह हुस्को ननता हय.

सुरओ अकर इकु २७ आयत २१६

२१३ अय पयगंबर लोग तुमसे सवाल करते हंय के वोह कतना भर्ष करे हुन्से केहो के जे उभराजत जुदरीसे नहहो धसी तराह अह्लाह तआला तुम्हारे लिये आयते पयान करता हय शायद तुम हुन्या ओर आपेरतके मुआमेलातमें सोचो या गार करो.

सुरओ अकर इकु ३६ ओर ३७ आयत २६० ओर २७४

२१४ जे लोग अपने मालोंको अह्लाहकी राहमें भर्ष करते हंय हुस्की मिसाल उस दानेकीसी हय जिससे सात आली पेदा हो ओर हर पालमें सो दाने हो ओर अह्लाह तआला दायंदहेता हय उसके लिये याहे ओर अह्लाह कुशाधशवाला ओर नननेवाला हय. जे लोग अपने मालोंको अह्लाहकी राहमें भर्ष करते हंय ओर भर्ष करनेके पाअद न हुस्का ओहसान जिताते हंय न तकलीह हेते हंय, हुन्के रअके पास हुन्के लिये अजर हय न हुन्को जोह हय ओर न वोह गभगीन होगे. अम्मी पात केहनी ओर दरगुजर करना उस सडका हुन्से ओहतर हय जिसके पाअद तकलीह दी नवे, ओर जुदाओ तआला येनिवाज ओर मुहबार हय अय मोअमिनो अपने सडकातको ओहसान जताकर ओर तकलीह देकर नयेअ मत करे उस शप्सके मानंद जे अपना माल लोगोंके दिधानेके लिये भर्ष करता हय ओर अह्लाह पर ओर रोजे क्रियामत पर यकीन

नही रहता, पस उसकी भिसाल ओक पत्थरकीसी हय जिसपर गुमार आ गया ज्य गेरकी पारिश दुर्ध तो साइ पत्थर निकल आओ उन्को अपनी क्माधसे कुछ हासिल नही होगा ओर अस्लाह काशिरोंकी डोभको विदायत नहीं करता ओर भिसाल जिन लोगोंकी जे भाइज रज्ज्मे धलाडीके लिये नीयतसे अपने भासोंको भर्ष करते हय अथसे पागके मानंद हय जं युखंद जमीनपर हो ओर उरपर भूय पारिश हो ओर निहायत दल लावे, अगर जियादा पारिश न हो तो शयनमही पडे, ओर अस्लाह तआला तुम्हारे आअभासको देपता हय. क्या तुमसे कोछ धस्को पसंद करेगा के उस्का भजूरों ओर अंगूरोंका पाग हो जिस्मे नेहरें नरी हों ओर हर क्स्मके मेवे उसमे हों ओर वोह युखडा हो गया हो ओर धस्की ओलाह पुई साल ओर कमजेर हो पस उस पागपर गर्म लु लगी ओर जलकर रेह गया धस्की तराड अस्लाह तआला अपने आहकामको साइ तुमसे अयान करता हय ताके तुम गोर करे.

सुसलमानो पुदाकी राडमे उन इमदा इमदा यीजेमेसे भर्ष करे जे तुमने तिजरत वगयरा हलाक जरीओसे क्माध हों ओर जे पुदाने तुम्हारे लिये जमीनसे पेदा ही हों ओर नापाक यीजेके देनेका जे ना जमज तरीकेपर क्माध हो कसदली न करे के जिन्को अगर वोह तुमको ही जवे सिवाय शर्म हुजुरीके लेनाभी पसंद न करे ओर जनबेके अस्लाह तआला जेनियाज ओर सज्जवारै हम्दे सना हय. शयतान तुमको इकसे हसाता हय ओर जेहयाधपर आगाही करता हय ओर अस्लाह तुम्से भग-दिरत ओर अरतरीका वाअदा करता हय ओर अस्लाह गुन्नधशवाला जनने वाला हय, जिस्को आहता हय दानाध अता करता हय ओर जिस्को दानाध अता की ज्जमे उस्को जेहद बलाध अता की गर्ध, धन नसीहतोसे वोडी मुतनज्जोह होते हय जे आहले अकल हय ओर अस्लाहकी राडमे जे तुमने भर्ष कर दिया या भजत मानी गेसक अस्लाह उस्को जनता हय ओर जदिमोका कोध भददगार नही अगर अलानिया सहका हो तोभी अअ्हा हय ओर अगर धुपाकर इकीरोका हो तो वोह तुम्हारे लिये अहोत अअ्हा हय ओर अयसा देना तुम्हारी पुराधयो याअनी गुनाहुका कइदारा होगा ओर अस्लाह तुम्हारे किरदारसे आगाह हय. अय मोहम्मद उन्का राहेरास्त पर लाना तुम्हारे जिम्मे नहीं हय लेकिन अस्लाह जिस्को आहता हय राहे रास्त पर लाता हय. ओर जे भास बलाधमे भर्ष करोगे वोह तुम्हारी

जतके लिये लय और तुम भय नहीं करते मगर सिर्फ रोज़ाने छलाडीके लिये और जे कुछ पेरतके तोरपर तुम भय करोगे उसका पूरा पहला तुम्हो दिया जअगे और तुमपर शुद्ध नहीं किया...जअगे। पेरत उन दूकीरेके लिये लय जे अह्लाहकी राहमें रेडिगअे हों के कीसी तरफ़ सह्र नहीं कर सकते, और जहिल उनकी शुद्धारीसे उनके गनी भियाल करता लय, तुम उनके अशरेसे पहचान सकते हो वे गउगडा कर आदभियोसे माल नहीं करते, जे कुछ माल तुम भय करोगे अह्लाह उसके जनता लय. जे लोग रात दिन शुद्धया व अलानिया अपने मालोके अह्लाहकी राहमें देते लय उनके देनेका सवाय परवरदिगारके हां भवेगा और उनके क्रियामतमें जोएन होगा न रंज होगा.

सुरअे निसा, इकु ६ आयत १३८-१३९.

२१५ और जे लोग दिगानेके लिये भय करते लय और अह्लाह पर और रोज़े क्रियामत पर धमान नहीं लाते. और शयतान जिस किसीदा यर हो वेह पुरा दार लय. अगर वेह लोग अह्लाह पर और रोज़े-क्रियामत पर धमान लाते और जे कुछ अह्लाहने उनके दे रफ़्या था उसमेंसे राहें शुद्धामें भय करते तो उनके क्या अगउता और अह्लाह उनके हालसे वाकिफ़ लय.

सुरअे मुनाफ़ेकुन आयत १०

२१६ और भय करे उसमेंसे जे लमने तुम्हो दिया लय पहले धससेके तुम्हो भौत आ पडोअे इस पकत कहे के अय परवरदिगार काश तु मुअे और अंद रोज़की मोहलत देता के भय शुभ सफ़ा देता और अच्छे अहोमें हो जनता और अह्लाह तअाला किसी शम्सके दरगिज मोहलत नहीं देता जय उसकी भौत आ जवे और अह्लाह तुम्हारे आअ-मात्रसे अअरदार लय.

अह्लाहीस.

अथु दुरयरा अयइल अवाअज.

२१७ परमाया रसूलुअह सख्मने सफी अह्लाहसे करीम लय और जनतसे करीम लय और आदभियोसे करीम लय मगर दोअअसे हर लय, और अफील अह्लाहसे हर लय जनतसे हर लय आदभियोसे हर लय मगर

दोनोंपसे करीब होय, जखिल सभ्नी अक्षाडको जहोत पसंद होय आधि  
अपीलसे.

**अथु हुरयरा अयडल भवाड ४.**

२१८ रसूले अकरम सख्खाडो अलयडे व सख्खने इरमाया अगर भेरे  
पास कोडे ओहडेके अरापर जरे आलिस हो तो मंय धरमे प्रुश हुं के  
तीन शयमे अर्थ हो जवे ओर कुच्छनी भेरे पास धरमेसे न रहे सिवाय  
धरकेके अदाओ देनके लिये रभ लिया जवे.

**अथु हुरयरा अयडल भवाड ७.**

२१९ रसूले अकरम सख्खाडो अलयडे व सख्खने इरमाया के हर  
रोज सुखडको हो शरिस्ते नाञ्जल होते हंय ओक डेहता हय के या अक्षाड  
सभ्नीके मालका नेअमल पहल अता कर, दूसरा डेहता हय अय अक्षाड  
अपीलका माल तलक कर.

**अपी अमाभा भिशकात.**

२२० रसूलखाड (स.)ने इरमाया के अय धरने आदम अर्थ करना तेरेडी  
लिये नाईअ हय ओर जमाअ करके रभना तेरेडी लिये मुजिर हय अगर  
अ कदरे जुइरत रभनेपर मलामत नहीं की जअगेी ओर पुदा वारते देना  
उससे शुइअ करे अरका नशका तुभपर वाञ्छ्य हो.

**अपी हुरयरा भिशकात.**

२२१ ओक शम्स नपीये अकरम सदखदलाडो अलयडे वसद्वमडी  
भिममतमे हाञ्जर हुवा ओर अर्ज किया भेरे पास ओक दीनार हय रसूल-  
दलाड (स.)ने इरमाया उसे अपनी न्वत पर सर्ह करे उसने अर्ज किया भेरे  
पास ओर भी हय इरमाया उसे अपनी ओलाद पर सर्ह करे उसने कडा  
भेरे पास ओर भी हय इरमाया अपनी पीमी पर सर्ह करे उसने अर्ज  
किया ओर भी हय इरमाया के अपने आदीमोंपर सर्ह करे उसने कडा ओर  
हय इरमाया तु पुद ननता हय.

२२२ इरमाया रसूले अकरम सदखदलाडो अलयडे वसद्वमने ने शम्स  
अक्षाडकी राडमे कुछ सर्ह करता हय उसके लिये सातसो गिना सवाअ  
लपप्पा नता हय.

जगिरे, मुसलम.

२२३ जगिरेने कहा जेक शम्सने अपने गुलामको अपनी वधातके आश्रय आनन्द हो जनेके लिये बिना जय धरिजी भयर रसले अकरम सक्ष-  
 धाहो अलखडे वसक्षमको हुध आपने उस शम्स (आनन्द कुनंदा) से  
 दरयाइत किया के तेरे पास धरिजे सिवा और भी कुछ माल हय उसने अर्ज  
 किया के नहीं रसूलुल्लाहने प्रमाया केन शम्स धस गुलामको मुजसे भरीदता  
 हय ? नधम धुप्ने अण्डुल्लाह अदवीने आहसे। धिरभमे उरको भरीदा और  
 कीमत लाकर पेश की, रसूलुल्लाहने येह कीमत उस मालिक आनन्द कुनंदाको  
 अता की और प्रमाया के अपनी जतसे शुश्रूय करो उसी पर सधका करो  
 अगर उससे जधद हो अपने आहसे। अयाल पर अगर आहसे। अयाल  
 के भयसे भी जधद हो तो रिश्तेदारों पर और रिश्तेदारोंसेभी जये तो  
 धस तराह इरमाते रहे के अपने सामनेवालों और दाहनेवालों और  
 आये वालोंपर ?

### आप धरिजल आहद.

सुरजे अकर, इकु रई आयात १७७

२२४ नेकी सिर् यही नहीं हय के नमानमे अपना मोह मशरिक और  
 मगरिअकी तरफ कर लिया अदके असली नेकी उरकी हय जे अल्लाह पर  
 और रोजेकियामत पर और इरिश्तों पर और किताबों और पयगंजनों पर  
 प्रमान लाये और अपना माल अल्लाहकी महज्जतमे रिश्तेदारों  
 और यतीमों और भिस्कीनों और मुसाइरों और सवाल करनेवालों और  
 गुलामोंके आनन्द करनेमे दे और नमानको काधम करे और जकात अदा  
 करे और पूरे करनेवाले अपने आहदोंके जयके आहद करें और तंग दस्ती

१. धन अहादीससे हुकुकी तरतीज और तकदीमे ताभीर माअक्षम होती  
 हय. निरको खुदा तआला तवकीक दे और वोह कुछ राहो खुदामे देना आहो तो  
 धस तरतीजको पेश नजर रचना आहिजे और नहीह कुआहो जे हकदार  
 हय जे धन तन्दुरस्त हट्टे हट्टे सायेलों पर तरल्ल हनी आहिजे.



ઝોર સખ્તી ઝોર લડાઇમેં સખ કરનેવાલે, યહી લોય હંય જિ-હોંને રાસ્ત બાજી ઇખતિયાર કી ઝોર યહી મુતકી યાઅની ખુદાસે ડરનેવાલે હંય.

**મુરઝે માએદા રૂક ૧ આયત ૧**

૨૨૫ અય મુસલમાનો અપને ઇકરારકો પૂરા કરો.

૨૨૬ ઝોર પુરા કરો અલ્લાહકી કસમકો જળ આપસમેં કસમપર મુઆહેદા કરો ઝોર જળ મજબૂત કસમ ખા ચુકો ઉસ્કે ખિલાફ ન કરો કે તુમ અલ્લાહકો ઉસપર જામિન કર ચુકે હો.

**મુરઝે બની ઇસ્લાઇલ રૂક ૪ આયત ૩૪**

૨૨૭ અપને ઇકરારકો પૂરા કરો ।કયામતમેં આહદસે બાજીપુર્સીકી જલેગી અહાદીસ.

**ઇબને અબ્બાસ અદબુલ મુકર્રદ.**

૨૨૮ ફરમાયા રસૂલે અકરમ સલ્લાહો અલયહે વ સલ્લમને અપને મુસલમાન બાઇકી તરફસે શક ન કરો ઝોર ન ઉસ્કા મજક ઉડાઓ ઝોર ઉસસે અયસા વાઅદા ન કરો જીસે પૂરા ન કર સકો.

**અબુ હુરયરા મિશકાત.**

૨૨૯ ફરમાયા રસૂલુલ્લાહ સલ્અમને અલ્લાહ તઆલા પરમાતા હય મંય ક્રિયામતકો તીન આદમીયોંકા મુખાલિફ હુંગા ઓવલ. ઉસ શખ્સકા જે મેરે નામપર મુઆહેદા કરકે દગા કરે ઝોર દૂસરે ઉસ શખ્સકા જે આજાદ શખ્સકો ફરોખત કરકે ઉસકી કીમતકા રૂપિયા ખાવે સેયુવમ ઉસ શખ્સકા જે મજદુ-રસે પૂરા કામ લે ઝોર ઉસ્કી ઉજરત ન દે.

**અબુહુલ્લા ઇબને ઉમર મિશકાત.**

૨૩૦ રસૂલે અકરમ સલ્લાહો અલયહે વ સલ્લમને ફરમાયા હય કે મજદુરકી ઉજરત ઉસકા પસીના ખુશક હોનેસે પહેલે અદા કરો.

**ઉબાદા ઇબને સામત મિશકાત.**

૨૩૧ નૂખીયે અકરમ સલ્અમને ફરમાયા હ કામોંકા તુમ જીમા કરલો તો મંય તુમ્હારે લિયે જન્મતકી જીમ્હેદારી કરતા હું જળ કલામ કરો સય કહો, જળ વાઅદા કરો ઉસ્સે પૂરા કરો, અગર તુમ્હારે પાસ અમાનત રખ-

वाध नञ्जे उरुके अदा करे और अपनी शर्मगाहोंकी दिशान्त करे, अपनी नजरोंको नीचा रखे, और हाथोंको रोके, या अपनी किसीकी पुराई न पहोयाओ।

**धुपने अण्भास भिश्कात.**

२३२ नम किसी काममें धियानतका रिवाज हो जाता है पुढाजे तआला उनके दिलोंमें रोअण और पोर पेटा कर देता है, और उस काममें जनाकारी हैल जाती है उरुमें मोतका आनर गर्म हो जाता है. और जिस काममें कम तोलने और नापनेका रिवाज हो जाता है उससे रिजक मुनकतेअ हो जाता है और जे काम भिलदे हकके हुकम करती है उरुमें पुरेण हैल जाती है और जे काम आहद करके इरेअ करती है उसपर दुस्मन गालिय हो जाता है. १

**धुपने अण्भास भिश्कात.**

२३३ अभीर मुआवियाह और शाहाने कुसतनतुन्यामें आहद नामा हो गयाथा भीआदे आहदनामा मुनकण होनेको हुध तो अभीर मुआवियाहने उनके मुहकी तरफ दूय करना शुरू किया ताके जिस वकत आहदनामेकी मुहत पूरी हो जवे इवरन हुम्ला कर दिया जवे के अके शम्स अरपी घोडे या अरयर पर सवार येह केहता हुवा आया के अहलाहो अकपर अहलाहो अकपर आहदको पूरा करना आहये. यह आहदी न करनी आहिये देषा गया तो वोह शम्स उमर गिन अपीसा सहापी थे अभीर मुआवियाहने उनसे पूछतो अयान किया के मंभने सुना है रसले अकरम सदअम इरमातेये जिस शम्सके और किसी कामके दरमियान आहदनामा हो न उरुमें गइलत करे और न तशहद करे नम तक उरुकी मुहत पूरी न हो जय या उनको धतीला दे दे, येह सुन्कर अभीर मुआवियाह मजे इाणके वापस अले गजे और हुमलेका धरादा मुस्तनी कर दिया.

**अपी राई भिश्कात.**

२३४ अणु राई केहते हंय के मुकको कुरयेशने जतारे कासिद या सरीरके रसले अकरमकी पिदमतमें रवाना किया था रसूलुह्लाह सदअमको

१. मुसलमानोंको इस हदीस पर निहायत गार करना और अपने अक्षयाल और हावातसे मुनाजिहा करना आहिये.

द्वेष कर भेरे दिलमें धसलाभकी तरफ रगपत पैदा हो गछ भंयने अर्न्त किया या रसूलुल्लाह भंय अप्पुदा उनके पास अण कली न नजिंगा रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अल्लयहो वसल्लमने इरमाया भंय अद आहदी नहीं करता और कासिदोका नहीं रोकता:अण तुम फिर नज्यो अगर तुम्हारे दिलमेंली इन गछ हय जे धस वकत हय तो शिर वापस आ जना अणु राई केहते हंय के भंय गया और फिर रसूलुल्लाहके पास वापस आकर मुसलमान हो गया.

**अथी मूसा अशअरी, पुषारी.**

२३५ रसूलु अकरम सल्लल्लाहो अल्लयहो वसल्लमने इरमाया के इयानतदार अजानयीली जे अतीमे भातिर अदा करे अरका उरको हुकम दीया जने सधका देनेवालोमेंसे हय.

**अली (२०), कन्जे अन्दास.**

२३६ मुसलमानोंके जम्मे वाअदोका पूरा करना कर् अदा करनेके पारापर हय और मुसलमानका वाअदा अयसा हय जयसा हाथ पकड लेना.

**आअेशा (२०).**

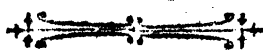
२३७ क्रियामतके दिन अल्लाहके अदोमे सअसे जेहतर वाद डिगो जे अतीमे भातिर वाअदोका पूरा करे.

**अली (२०).**

२३८ वाअदा करनेवालेका छदरार मिसल कर्के हय:या उससेली जियादा.

**अण सङ्घान, भिशकात.**

२३९ इरमाया नथीये अकरमने आगाह होके जे उसपर जुल्म करे जस्के साथ मुआहदा करलिया गया होया उसके हकमेंसे कम करे या उसकी ताकतसे जियाद उसपर पारडावे या बिला उसकी रजमंहीके कुछ इससेवेवे तो भंय क्रियामतमे उसका मुआलिह हुंगा.



### બાપુલ પુખ્લ.

મુરઝે આલે ઇઆન રૂકુ ૧૮ આયત.

૨૪૦ જિન લોગોંકો અસ્લાહ તઆલાને અપને ફળલો કરમસે મકદુર દેરખા હય ઓર વોહ પુખ્લ કરતે હંય ઉન્કો ચેહ ન સમજના આહિયે કે ચે ઉન્કે હકમેં અઅછા હય બલકે વોહ ઉન્કે હકમેં પુરા હય અનકરીખ ક્રિયામતકે દિન જિન ચીજોંકે દેનેમેં પુખ્લ કરતે હંય ઉનકા તોક ઉનકે ગલેમેં ડાલા જલેગા.

મુરઝે મોહમ્મદ રૂકુ ૪ આયત ૩૬-૩૮

૨૪૧ ફુન્યાહી જિંદગી મોહજ ખેલ તમાશા હય અગર તુમ ઇમાન લાઓ ઓર પરહેજગારી ઇખતિયાર કરો તુમ્હેં ઉસ્કા અજર દેગા ઓર તુમસે તુમહારા માલ તલખ નહીં કરેગા અગર ઇસરાસે તલખબી કરે તુમ પુખ્લ કરોગે ઓર ઇસસે તુમહારી અદાવતેં જાહેર હોંગી. અય ગિરોહ આગાહ હોકે તુમ્કો ઇસલિયે ખુલાયા જાતા હય કે અસ્લાહકી રાહમેં ખર્ચ કરો ખાઅજ તુમમેંસે પુખ્લ કરતે હંય ઓર જે પુખ્લ કરતા હય હકીકતમેં અપની જાતસે પુખ્લ કરતા હય. વરન અસ્લાહ ગની હય ઓર તુમ પ્રકીર હો. અગર તુમ હુકમે ખુદાસે સરતાખી કરોગે તુમહારી જગાહ દૂસરી ગયર કોમ્કો બદલ દેગા કે વોહ તુમ જયસે ન હોંગે.

મુરઝે હદીદ રૂકુ ૪ આયત ૨૨-૨૩.

૨૪૨ અય લોગો જે મુસીખત જમીનમેં નાજિલ હોતી હય ઓર જે ખુદ તુમ પર નાજિલ હોતી હય વોહ પેદા હોનેસે પેહલે ક્રિયાખમેં લિખખી જાતી હય, ઓર ચેહ અસ્લાહ પર આસાન હય તાકે જે ચીજ ગુમ હોજવે ઉસ્કા તુમ્કો રંજ હો ન દિસી ચીજ કે મિલનેસે ખુશી હો ઓર અસ્લાહ તઆલા દિસી ઇતરાનેવાલે ઓર કમ્મ કરનેવાલેકો ખસંદ નહીં કરતા કે જે ખુદબી પુખ્લ કરતે હંય ઓર લોગોંકો પુખ્લકી તરગીખ દેતે હંય જે શખ્સ ઇન નસીહતોસે ર ગરદાની કરે તો અસ્લાહ ખેનિયાજ વ સજવારે હમ્દ હય.

## अडादीस.

### अधी सधक भिरकात.

२४३ रसूत्रे अकरम सव्वलव्वाडो अल्लयडे वसव्वमने इरमाया के दो आहनें मुसलमानोभे नमाअ नडीं होती युप्ल और अद पुव्वी.

अनस धिन भासेक अदपुल मुइरद.

२४४ रसूत्रे अकरम सव्वम पुदाअे तआवासे पनाड भांगते ये. धन अल्लव्वसे अय अदव्वाड मंय तुळसे पनाड भांगताडुं सुस्तीसे और पनाड भांगताडुं नामरदीसे और पनाड भांगताडुं मुउडापेसे और पनाड भांगताडुं युप्लसे.

### अप्यापक सीहीक (२०).

२४५ रसूत्रे अकरम सव्वलव्वाडो अल्लयडे वसव्वमने इरमाया के नन-तमे मकार और अपीअ और ओडसान जितानेवाला दपिल नहोगा.

### अपु डुरयरा अयइल भवाअज.

२४६ रसूत्रे अहने इरमाया के धनसानकी अदतरीन सिधातमेसे अंय डिर्सिं जे भेसअरी के साथ हो, और नामरदी जे इसवा करनेवाली हो.

### धअने अप्यास भिरकात.

२४७ रसूत्रे अकरम सव्वलव्वाडो अल्लयडे वसव्वमने इरमाया के कया मंय अयसे शप्सकी तुमके धतवाअ दे हुं जे सअसे अुरा अय. वेगोने कडा भेशक इरमाया के वोड शप्स अय जिवसे पुदाके वास्ते सवाल दिया जवे और वोड कुछ नदे.

## आपुल अुगज.

सुरअे भाअेदा इक १२ आयत २४.

२४८ शयतान यही आहता अय के शराअ और इमारप्याअके जरीअेसे तुमभे अदावत पेदा कर दे और तुमके अह्लाअके अकसे और नमाअसे आअ अअे तो कया तुम विससे इक जअेगे.

## अहाहीस.

अनस.

२४८ रसूखे अकरम सख्यमने इरमाया के अय जेटा अगर तुमसे मुमकिन होतो अयसा करो के सुण्ड हो जअये और शाम हो जअये और तुम्हारे दालमें डीसीडी तरसे कीना नहो शीर इरमाया अय मेरे जेटे येड मेरा तरीका हय जे मेरी सुनत याअनी तरीकेसे मडप्यत रपये वोड मुजसे मडप्यत रपता हय और जे मुजसे मोडप्यत रपता हय वोड जन्नतमें मेरे साथ होगा.

अणी डुरयरा भिश्कात.

२५० तुममेंसे कोछ शप्स बाछकी तरइ असलेहासे धशाराणी न किया करे क्या माअलुम हय के शयतान तुम्हारे लाथके भिस्का दे और तुम आगके गढेमें ज पडो.

अणु डुरयरा भिश्कात.

२५१ जे शप्स अपने बाछकी तरइ लोडके आलातसे धशाराणी करता हय श्रीस्ते उसपर लअनत करते हंय जप्यतक वोड रप नही देता अगरे जे इस्का हकीकी बाछडी क्यो नहो.

अभाषक (२०), भिश्कात.

२५२ जप्य हो मुसलमान धसतराड भिलते हो के ओक दूसरे अपने बाछ पर हथयार डडाये हुवे हो तो वोड दोनों दिनारये जहन्नम पर हंय जप्य उनमेंसे ओक दूसरेको कल करता हय तो दोनों दोज्जमें यके जते हंय ओक रीवायतमें हय के जप्य हो मुसलमान तलवारसे लडे तो हातील और मडतूल दोनों दोज्जमें जवेगे, मयने ( रावीने ) अर्ज किया के कतिल तो हीक हय अगर मडतूल कियो दोज्जमें जाता हय आपने इरमाया वोडनी इस्के कलका पाहां था.

अणी डुरयरा, भिश्कात.

२५३ रसूलुव्हाडने इरमाया के गुमाने अहसे अयो गुमान जुटी पात हय और किसीकी अपरे न टोडो और न जसूसी करो और सिर्फ मासकी डीमत अडडाने के लिये भरीद्वार न अने और आपसमें युज्ज न रपो.

न दुश्मनी रणो, अय अस्त्राहके अदो भाध भाध हो नञो और अेक  
रीवायतमे' ह्य के अेक दूसरे पर ररक न करे.

धधने उभर, अयइल भवाधण.

२५४ जे हभपर हथयार उकाअे वोह हभमेसे नही ह्य. और सही  
मुसलभमे' और येह नियादा ह्य के जे हभारे साथ दगा करे वोह हभमेसे  
नही ह्य.

सदभा भिन अको, अयइल भवाधण.

२५५ जे हभपर तलवार भेजे वोह हभमेसे नही ह्य.

अभी दुरयरा.

२५६ जे रातको हभपर तीर अरसाअे वोह हभमेसे नही ह्य.

अनस भिन भालिक, अदभुल मुकरंद.

२५७ आपसमे' युज्ज न रण्यो और न हसद करे और दोस्ती  
व गहभ्यतको कताअ न करे और अय अदगाने पुदा भाध भाध भन नञो  
किसी मुसलमानको हलाल नही ह्य के तीन शयसे नियादा अपने भाध  
मुसलमानसे मिलना गुलना तरक करे.

अताभिन यलहुल लयशी, अदभुल मुकरंद.

२५८ अयु अयुअ अन्सारी सहाभीअे रसुलुद्लाह (स.)ने उरकोअपर ही  
ह्य के शरमाया रसुले अकरभ सदलद्लाहो अलयह वसद्लभने किसी मुसलमानको  
रवा नही' ह्य के अपने लाधको तीन शयसे नियादा तर्क करे के नय  
दोनो' भिदो' वोह उससे मोंह इरले और वोह उससे मोंह इरले उन दोनो'मे'  
अच्छा वोह ह्य जे सलामुन अलयककी धणतदा करे.

हाशिम धधने आभिर अन्सारी.

२५९ हाशिम धधने आभिर अन्सारीसे निन्के आप नगे ओहोदमे'  
शहीद हुवेथे रियायत ह्य के उ-होने रसुले अकरभसे सुना ह्य के किसी मुस-  
लमानको रवा नही' ह्य तीन रोजसे जियादा किसी मुसलमानसे रंज रण्ये  
या करायत कताअ करे के अयसी हालतमे' वोह दोनो' हकसे मुनहरिश होगे  
नयतक के अपनी मुदारेकत पर काधम रहे' उन दोनो'मे' जे मुदारेकत तर्क

કરતેમેં સખકત કરે વોહી ઉસ્કા ક્ષારા હય અગર વોહ દોનોં ધસી મુકારે-  
કત કી હાલતમેં મરેગે ઉન્મેસે કોઇબી જન્નતમેં દાખલિ ન હોગા અગર  
એકને સલામુન અલયક કી ઓર દુસરેને સલામ કુખૂલ કરને ઓર જવાબ  
દેનેસે ધન્કાર ક્રિયા તો ઉસ્કે સલામકા જવાબ ફરિસ્તે દેગે ઓર દુસરેકા  
શયતાન.

**અબી હુરાસ અસ્લમી અદબુલ મુકરદ.**

૨૬૦ અબુ હુરાસ અસ્લમીને રસુલુલ્લાહ સલ્અમસે સુના હય કે ૧૨-  
માતે થે કે જે અપને ભાઈ મુસલમાનસે સાલભરતક મેલ જ્વેલ તર્ક કરે  
વોહ ઉસ્કા ખુન કરતા હય.

**અબી હુરયરા મિસ્કાત.**

૨૬૧ ફિસી શખ્સકો જાઇજ નહીં હય કે અપને ભાઈ મુસલમાનસે  
ત્રીન રોજસે જિયાદા મિલના જુલના તર્ક કરે જબ ત્રીન દિન ગુજર જાએ  
ઓર ઉસસે મિલે તો ચાહિયે કે અસ્સલામો અલયક કરે અગર ઉસને  
સલામુન અલયકકા જવાબ દિયા તો દોનોંકો અગર મિદોગા ઓર અગર  
ન દિયા તો વોહ અપને હકસે ખરી હો ગયા.

~~અબી હુરયરા મિસ્કાત.~~

**બાબુલ ખગીએ વલ ઇનાદ.**

**મુરએ નાહલ રૂક ૧૩ આયત ૯૦.**

૨૬૨ ખુદાએ તઆલા ઇન્સાફ કરનેકા હુકમ દેતા હય ઓર એહસાન  
કરનેકા ઓર રિસ્તેદારોંકો માલી ઇમ્દાદ દેનેકા ઓર મના કરતા હય જે  
હમાઈ કે કામોસે ઓર ખુરી ખાતોસે ઓર ખગાવતસે તુમ્કો નસીહત કરતા  
હય તાકે તુમ ઇન્કા ખિયાલ રખ્ખો.

**મુરએ શુરા રૂક ૫ આયત ૪૦-૪૧-૪૨-૪૩.**

૨૬૩ ઓર જે લોગ અયસે હંય કે જબ ઉનપર જિયાદતી હોતી  
હય તો વોહ ઇન્તેકામ લેતે હંય ઓર ખુરાઇકા ઇવિજ વયસીહી ખુરાઇ  
હય મગર જે મઆફ કરે ઓર ઇસલાહ કરે તો ઉસ્કા સવાબ ખુદાએ



तआलाके निम्मे हय पेशक अस्लाह तआला जलिमोंसे उलकत नही रफता जे ज्यादतीके पाद धन्तेकाम से उसपर कोछ धलजम नही. अल-पता धलजम उनपर हय जे आदमियों पर जुल्म करते हय और नाहक जमीनमें प्रसाद करते इ'य. उनके लीये हर्दनाक अजग्य ह'य. लेकिन जे सथ करे और दूसरोके कुसर भयाइ करे तो पेशक येह पडी हि'मतके काम ह'य.

**सुरअे हुजेरात इक १ आयत.**

२६४ अगर मुसलमानोंके दो गिरोह आपसमें लडे तो उनमें सुल्ह करादो, फिर अगर उनमेंसे ओक दूसरे पर ज्यादती करे तो जे ज्यादती करता हय उससे लडो यहाँ तक के वोह हुकमे जुदाकी तरफ इगु करे और जग्य इगु करे तो इरीक्यनमें पराजरीसे सुल्ह करादो और धन्साइको भदेह नजर रफ्फो, पेशक अस्लाह तआला धन्साइ करने वासोसे महज्जत रफता हय.

**अहादीस.**

**धफने अफ्फास अदफुल मुइरद.**

२६५ अगर पहाडली हकसे तजवुज करे तो रेज रेज कर दिया जवेगा.

**अफदुल्लाह धफने अनस अदफुल मुइरद.**

२६६ नफीअे अकरम सल्लल्लाहो अलयहे वसल्लमने इरमाया के जे शफ्स हो लडकियोंका पर्य उनके पालिग होने तक परदास्त करते ह'य और वोह मेरे साथ धसतराह जन्नतमें दाखिल होंगे और शहादत और पीयकी उंगली पडी करके इरमाया धस तराह हो उमूर ह'य जन्की सज हुन्यामें जल्द ही जअेगी जगावत व कतअ रेहम.

**अफुमकर अदफुल मुइरद.**

२६७ इरमाया रसूले अकरमने के जगावत और कतअ रेहमके अलावा और कोछ गुनाह धस काबिल नही हय के उसके गुनाहगारको सिवाय उस सजके जे आपेरतमें उसके लिये करार ही गछ हो हुन्यामेंली पडोत जल्द सज दीजअे.

અખી સર્ક કન્જુલ આગ્યમાલ.

૨૬૮ રોજે કિયામતકો ઉજર કરનેવાલેકી બકદર ઉસકે ઉજરકે એક અલામત રખી જવેગી. ઓર ખબરદાર હોજઓકે જે અખીરે આમસે બગાવત કરે ઉસસે જિયાદા ઉજર કરનેવાલા કોઈ નહીં

## બાબુત્તોહકે વસ હદાયા.

સુરએ નિસા રૂક ૧૧ આયત ૮૬

૨૬૯ ઓર જબ તુમકો કિસી તરાહ પર સલામ કિયા જવેતો ઉસસે બેહતર સલામ કરો યા વયસાહી જવાબ દો, અલ્લાહ હર ચીજકા હિસાબ લેનેવાલા હય.

સુરએ રાહમાન.

૨૭૦ બલા એહસાનકે સિવા ઓર કોઈ બદલા એહસાનકા હો સકતા હય.

અહાદીસ.

૨૭૧ નખીયે અકરમ સલ્અમને ફરમાયા આપસમે' એક દૂસરેકો તોહરા તહાદ્દુ દેતે રહો તાકે આપસમે' મહબ્બત પેદા હો.

અહબુલ મુફરદ.

૨૭૨ અનસ રદી. કેહતેથે અય મેરે બેટા આપસમે' તોહરા તહાદ્દુ દેતે રહો તાકે તુમહારી આપસમે' મહબ્બત જ્યાદા હો.

ઇબને ઉમર ખયરૂલ મવાઈજ.

૨૭૩ રસૂલે અકરમ સલ્વલ્લાહો અલયહો વ સલ્વમને ફરમાયા કે જે શખ્સ તુમ્હે પનાહ માંગે ઉસકો પનાહ દો ઓર જે ખુદાકે વાસ્તે સવાલ કરે ઉસકો કુચ્છ દો ઓર જે તુમકો ખુલાએ તો કુખુલ કરો ઓર જે તુમહારે સાથ નેકી કરે કિસ્કા બદલા જુર કરો. અગર તુમમે' ઉસકે એવજ

नेकी करनेकी कुरत न हो तो उसके हकमें धस कहर हुआ करो के तुम भुद  
समझे के पूरा बधला हो गया.

**अनस भिश्कात.**

२७४ अनस २. केहते हंय के रसूलुल्लाह (स. अ. व.) पुराभूदार  
हथेके वापस नहीं इरमाते थे.

**आबेशा (२) भिश्कात.**

२७५ आपसमें तोहश तडाधश देते रहो के तोहश कीनेके दुर करता हय.

**अपी डुरयरा भिश्कात.**

२७६ आपसमें हथया व तोहश देते रहो के येह दीवोंकी कुरत दूर  
करता हय और कोध पडोसन अपने पडोसनके तोहशके हकीर न समझे  
अगरये अकरीका पुरही हो.

---

## प्राप्तताअजियाह.

---

**अहादीस.**

**अबुल्लाह धिने भसउद, भिश्कात.**

२७७ रसूले अकरमने इरमाया के जे किसी सहभा रसीदाकी तसल्ली  
करेगा उसकोभी वयसाही अजर दिया जवेगा.

**अपी डुरयरा, भिश्कात.**

२७८ जे उस ओरतकी तसल्ली करे जिरकी ओलाह इत हो गध  
हो भुदाये तआला जन्नतमें उसके जहरी धनायत करेगा.

**अबुल्लाह धिने जहर, भिश्कात.**

२७९ जय हजरत जहर तैयार ( गिराहर अभेजह हजरत रसू-  
लुल्लाह स. अ. व. ) की शहादतकी अजर आध रसूलुल्लाह (स.) ने इरमाया के  
ओलाहे जहरके लिये आना तैयार करो के उनके पास अयसी अजर आध हय  
जे उनके आनेका सामान करनेसे आज रफ्फेगी.

अधुल्लाह धुने भसउद, भिशकात.

२८० रसुले अकरम सल्लल्लाहो अलयहे वसल्लमने इरमाया के ने (सोगमे) इपसारेण पर तमाये मारे और गीरेयान आक करे और लडे-लोकेसे ययान करे वोह हममेसे नहीं हय.

धुने उमर, भिशकात.

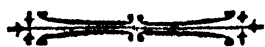
२८१ रसुले अकरमने उस जनाने के साथ ननेसे मनाअ इरमाया हय उसके साथ राने और यिल्लानेवाली औरतें हें।

अधुल्लाह धुने भसउद, भिशकात.

२८२ नपीये अकरम सल्लल्लाहो अलयहे वसल्लमने याह शहादत हजरत गहर तैयारके उन्के आहलो अयालको तीन रोजकी मोहलत दी फिर उन्के पास तशरीह लाये और इरमाया के भेरे बाध पर आन्के याह गीया व जरी न करे और इरमाया के पीराहरणहोके पुलाओ. हमको पुल-वाया गया. हम उस वक्त ज्ये ये और इरमाया के हज्जमके पुलाओ और हमारी सपकी धसलाह जनवादी हुगोया सोग अतम हो गया.)

धुने उमर तिरमीथ.

२८३ नपीये अकरम सल्लमने इरमायाके तुम अपने मुहोंकी पुणियोंका निक करे और उन्की पुराधयां करनेसे जान रहे।



आपुत तकरेकते वनाहे अन्हा.

सुरजे आले धम्रान इकु २ आयत १०३.

२८४ और सण भिदकर मज्जूतीसे अल्लाहका जरीया पकडे और मुतहररिह नहो अल्लाह तआलाके ने ओहसान तुमपर हंय उन्के याह करे जणके तुम आपसमे दुश्मन थे पस पुदा तआलाने तुम्हारे दिलोमे उल्लत पेदा करदी और उसके इजलसे तुम बाध बाध जन गये.

सुरेष्मे आले धम्मान इकु २ आयात १०५.

२८५ और उन लोगोंकी भिसय नहो जे सुतहरिक होगमे और धर्मतिला करने लगे आअह धरके के आध' उनके पास अलाभते' और उनके लिये अडा अजग्य हय.

सुरेष्मे धन्वाम इकु २० आयात १५६.

२८६ अय पयगंबर जिन लोगोंने अपने दीनमें नहरका डाला और कछ शिरके अन गये तुम्को उनके जगडोंसे कुछ सरोकार नहीं' उनका सुआ-भला खुदके हवाले हय के वोह उनका हिसाय वे लोग शिर जे कुछ [ हुन्यामे' ] किया करतेये ( उरका नेके अह ) उनको अता देगा.

सुरेष्मे धन्वाम इकु ८.

२८७ अय पयगंबर ( उनसे ) कहो के वोही ( खुदा ) उसपर कान्दिर हय के तुम्हारे उपर ही ( तरफ ) या तुम्हारे पेरोंके तलेसे कोध अजग्य तुम्हारे लिये निकाल अडा करे या तुम्को गिरोह गिरोह करके ( ओक दूसरेसे ) भिडा मारे और तुममेंसे आजको आजकी लडाईका भल यथाये ( अय पयगम्बर ) देयो तो सही हम (अपनी) आयतोडिा किस किस तराह अयान करते हंय ताके येह लोग समजें.

सुरेष्मे ताहा इकु ५ आयात ६६.

२८८ हजरत हारनने कहा के अय मेरी मांके भेटे आध' मेरी दाडी और सरके पाल न पकडो, मंय धंस आतसे डराके वापस आकर कहीं येह न केहने लगे के तुमने जनी धस्त्राधलमें कुट डालदी और मेरी आतका पास न किया. १

१. धन आयाते रब्बानी पर उन हलुमांको अहोत गार करना याहिये जे अहना उमूरमें आपसमें तहरका डालकर मुसलमानोंकी जमाअतको तुकसान पडोअ्याने और तहरका डाल देनेमें काशीरो अलीग करमाते हंय डालाके इस आयातसे साक्ष लखिर हय के हजरत हारनने गोसाला परस्तीका जे शहर शिक' हय तहरकये काभीसे अहवन समजा, पस मुसलमानोंको अमुमन और ओलोभाये किरामको खुसुसन धसपर नियाहा तवज्जेह और गार करना याहिये और जडांतक मुमकिनहो आहभी तहरका और धर्मतिलाइको शकना याहिये और भियाल करना याहिये के मुसलमान फिरकोंमें असकहर धर्मतिलाइत हंय वोह उस गोसाला परस्तीसे (अस्के शिक' होनेमें) क्लाम नही) अहोत कम हय उनकी वलहसे मुसलमानोंमें तहरका पेदा करना या उरके अडाना या उरमें मदद करना किसी तराह डीक नहीं ( सुतज्जम )

सुरमे ३३ ३६ ४ आयात २२-२३.

२८८ अथ मोहम्मद तुम अेक पुढाके हो कर उस्के ईनकी तरफ अपना रूप किये रहे। येह पुढाकी ( अनाध हुध ) सरिशत हय जिसपर पुढाने बेगोंके पेदा किया हय, पुढाकी (अनाध हुध) अनावटमें रहे अदल नही हो सकता यही दीनका सीधा रास्ता हय. मगर अकसर लोग नही समजते, ( लोगो ) उसी अेक पुढाकी तरफ इण्डु होकर दीन धरिखाम पर नमे रहे, और उसी अेक पुढाका डर माने। और नमान पडते रहे। और शिक करने वालोमेंसे न हो जना जिन्होंने अपने [असली] ईनमें तकरका डाला और शिके शिके हो गये जे दीन जिस शिके के पास हय सय उसमें भगन हय.

सुरमे शुरा ३६ २ आयात १०

२९० और जिन चीजोंमें तुम लोग आपसमें छप्तेलाइ रहते हो उनका इसला पुढाके तआलाके हवाये हय (लोगो) यही अदलाहतो मेरा पुढा हय उसी पर भंय भरोसा रहता हुं और (हर आतमें) उसीकी तरफ इण्डुअ करता हुं.

सुरमे शुरा ३६ २ आयात १०

२९१ लोगो, पुढाके तआलाने तुम्हारे लिये दीनका वोही रस्ता मुकरर किया हय जिसपर चलनेका उसने हजरत नुहको हुकम दीयाथा. और अथ मोहम्मद जे वही हमने तुम्हारे पास बेज और जे हमने धिआदीम और मुसा और इसा अलय हीसरसलामको हुकम दियाथा येह हय के तुम (असी) दीनके काधम रहना और उस्में तकरका न डालना ( अथ पयगम्बर ) जिस दीनकी तरफ तुम मुशरिकोंके पुलाते हो वोह उनपर अहोतही शाक गुजरता हय अदलाह जिसको आहता हय छप्तेआग करके अपनी तरफ भंय पुलाता हय और जे उससे इण्डुअ करते हंय उनको अपने तक पहोचनेका सीधा रस्ता अता देता हय. और आहले किताय समजनेके आअद अपनी आहमी निहसे गुदा गुदा हो गये हंय और अथ मोहम्मद अगर तुम्हारे परवरदिगारकी तरफसे अेक वकते मुअयअनका वाअद पेहले नहो युका होता (के लोगोंके क्रियामत तककी मोहलत हय) तो (उन्के छप्तेलाइतका) इसला कबीका कर दिया गया होता, और जे लोग अगलोंके आअद किताये धवाडीके वारस हुवे वोह अेशक उस दीन (असली) की तरफसे निहायत शक

रभते ह'य तो अय पयगम्बर तुम तो उन दोगोंको धंसी अस्ली हीनकी तरफ़  
 खुलते रहे और खुदनी न्यसा के तुम्हो हुकम दिया गया हय उसपर काधम  
 रहे और धन ( यहुदो नसारा ) की आदेशातकी पयरवी न करे और उन्से  
 साध केहदो के कितायकी क्रिम मेसे जे कुछ खुदाने नाजिल किया हय म'य  
 उसपर धमान लाया हुं और मुअको खुदके हासे हुकम दिया गया हय के  
 तुम्हारे दरमियानमे तुम्हारे धप्तेवाइतका इयसला धन्साइसे करे, अस्लाह  
 हमारानी रय हय और तुम्हाराबी हमारै लिये हमारै आअमाल ह'य  
 और तुम्हारे लिये तुम्हारे आअमाल. अस्लाही ( कितामतके दिन ) हम्हो  
 और तुम्हो अेक जगाह जमाअ करेगा और उसीकी तरफ़ सयको बोट कर  
 जना हय.

### अहादीस.

#### अय्यु हुरयरा अहय्युल मुइरद.

२८२ रसले अकरम सस्ल्लाहो अलयहे वसस्लमने इरमाया के पीर  
 और गुमेअरातको जमतके दरवाजे जोल दिअे जते हय और ह'र  
 उस शप्सके गुनाह म'आइ किये जते ह'य जिसने शिक' न  
 किया हो सिवाय उस शप्सके जिसकी उसके ( किसी मुसलमान )  
 बाधसे अदावत हो कहा जअेगा के धन दोनोंको इरेहनेदो जमतक के वोह  
 आपसमे सुहद न करे. १

#### अहय्युल मुइरद.

२८३ नपीये अकरम सस्ल्लाहो अलयहे वसस्लमने इरमाया के तीन  
 आते ह'य जिनमे वोह नहो अस्लाह तआला अगर याहे उन्के गुनाह  
 म'आइ करेगा जे मेतके वकत मुशरिक नहो, और जद्गर नहो, और  
 अपने बाधसे दिलमे कीना न रपता हो.

#### सालम थीन अय्युदुल्ला अहय्युल मुइरद.

२८४ उमर अपने जेटासे इरमाया करते थे के सुम्ह होतेही तुम  
 अलग अलग हो जया करो, अेक धरमे जमअ न हो, मुअको जोइ हय  
 के तुम कत्ये करायत न करने लगे या तुम्हारे दरमियान इसाह नहो जअे-

१ यानी जमतक वोह दोनों आपसमे सुहद न करे किसीके गुनाह म'आइ  
 न होजे ( सुतरजम )

**अरक्षण भिक्षात.**

२८५ अरक्षण केहते हंय के भंयने रसलुल्लाह सख्यभके इरभाते-हुवे सुना के न्य तुम किसी शप्सपर छत्तेशक करवो और कोछ शप्स तुममें नाछत्तेशकी पेदा करना याहे या तुम्हारी नभायतके सुतररिक् करना याहे तो उरके कल कर दो.

**अरक्षण भिक्षात.**

२८६ अरक्षण केहते हंय के भंयने रसलुल्लाह सख्यभसे सुना ह्य के अनकगीय शरो प्रसादात होगे पस न्ने शप्स के छस उम्भतमें तहरका पेदा करना याहे उस वक्त न्यके तभाम कोम सुत्तधिक हो चुकी हो, उरकी तल-वारसे भयर दो भाह वोह कोछ हो.

**अथु अैयुष्य तिरभिल.**

२८७ भंयने सुना ह्य के रसलुल्लाह सख्यभ इरभाते ये के न्ने शप्स भांमें और उरकी ओलाहमें तहरका डालेगा भुदाअे तआला कियामतके दीन उरमें और उरके आहयाभमें गुदाछ डालेगा.

**अथहुल्लाह धुभारी.**

२८८ अथहुल्लाहसे भरवी ह्य के भंयने अेक शप्सके अेक आयत पडते हुवे सुना के भंयने रसलुल्लाह सख्यभसे दूसरी तराह सुना था, भंय उरका हाथ पकड कर रसलुल्लाह सख्यभके पास ले गया (और हाह अर्न् किया) आपने इरभाया तुम दोनों हीक केहते हो शोअया केहते हंय मेरा शुमान ह्य के वोह अल्लाह येह ये के तुम आपसमें छपतेलाइ न करो तुमसे पेहले लोगोंने छपतेलाइ किया था वोह हलाक हो गअे.<sup>१</sup>

१. अथली मुसलमानोंको समग्र लेना याहिके के मुसलमानोंकी भरती और तनज्जुल छपतेलाइ और नाछत्तेशकीकी वजसे ह्य.



## प्राप्युत्तकवा.

सुर्ये हुजोरत ३३ २ आयात १३

२८८ अथ लोगो हमने तुम सभको एक मर्द ( आदम ) और एक औरत ( हव्वा ) से पैदा किया और फिर तुम्हारे गिरोह और कुम्भे पैदा किये ताकि तुम एक दूसरेको शनाप्त कर सको, वरन अस्लाहके नजदीक तुममें षडा शरीफ़ वोडी हुय जे तुममें समसे जियादा परहेजगार हो, पेशक अस्लाह तआला पुण आगाह और पअरदार हुय.

अथी हुरयरा भिशकात

३०० रसूलुस्लाह सस्वस्लाहो अलयहे वसस्वमसे सवाल किया गया के केन शम्स सभ आदभियोंसे जयादा मुअन्नन्न हुय आपने शरमाया के अस्लाहके नजदीक सभमें मुअन्नन्न व पुग्गुर्ग वोह हुय जे सभसे जियादा परहेजगार हो, लोगोने कहा हम येह दरयाएत नहीं करते थे, आपने शरमाया के सभ लोगोसे मुअन्नन्न युसुद (अ.) हुंय. जे पुद नथी हुंय और नथीयुस्लाहके इरजंद धप्ने नथीयुस्लाह धप्ने भलीलुस्लाहके हुंय, लोगोने अर्ज कियाके हमारा सवाल येह नहीं था आपने शरमाया के क्या क्याधले अरपसे पूछते हो? उन्होने कहा हां, आपने शरमाया के जे लोग नदिलीअत के नमानेमें अचछे थे, वोडी धसलाममेंली अचछे हुंय अगर वोह समअदार हों.

## प्राप्युत्तक ईरिल मुसलिम

सुर्ये निसा, ३३ १२ आयात ८४.

३०१ अथ मुसलमानो जप्य तुम पुदाडी राहमें लउनेके लिये कही

१ तमाम मुसलमानोको उमुन्न और आलमाये किरामको पुससन धस पाण पर निहायत गार करना चाहिये के धससे किसी मुसलमानको कफिर केहेनेडी किस कहर मुमानेअत निकलती हुय जे लोग नरा नरासे धप्नेसाफी मसाधल पर इन

जन्मो तो जिन लोगों पर यह कर जन्मो उन्का हाल पूछ ताडकीक कर लिया करो और जो शम्स धन्डारे धसलामके लिये तुम्से सलामुन अलखक करे उससे येह न कहे। के तु मुसलमान नहीं हय, और धस केहनेसे तुम्हार मकसद हो। छुंङगी ये हुन्याहा साले सामान ( ताके उरको हुश्मन ठेरा कर लूट ले। ) तो अयसी लूट पर क्या गिरते हो, अल्लाहके पास तुम्हार लिये पढोत गनीमतो हंय ( तैयार भवणुह ) पढेवे तुमभी अयसे खुलकर धन्डारे धसलाम करते हुवे डरते थे फिर अल्लाह तआलाने तुमपर अपना इन्जल किया के ( खुल्लम खुल्ला धन्डारे धसलाम करने लगे. ) तो ( हुसरै नव मुसलामेकी कभजेरी पर नजर हरके लडनेसे पेहले ताडकीक कर लिया करो ) जो कुछली तुम कर रहे हो अल्लाह तआला उससे पापपर हय.

लोगोंकी तकदीर करते हंय जो भुहाको वाहदुह लाशरीक और डन्डरत मोहम्मदुर रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अलखडे वसल्लमको नपीये अरहक और कुरआने शरीफको कलामे धिलाही समजते हंय उन्को धस परली गार करना नुवर हय के रसूले अकरम सल्लल्लाहो अलखडे वसल्लमकी हयाते पाकमे पढोत लोग अयसे थे जो हिलमे कुर्करके जियालात रभतेथे और लडिरमे भाह जोकी वनहसे या गनीमतकी तमाअसे या पाअल धसतेलडकी राहसे अपनेका मुसलमान लडिर करतेथे जिन्को कलामे धिलाहीमे मुनाफेकीनसे ताअपीर किया गया हय या नुलुह धस्के के आयत शरेह उन्के हकमे धिआरा करती हयआर वही व धल्लामो करे और इरासते तफ्थ वगयरासे ननाप रिसालत मआअको नीज सादिक मुसलमानोंको उन्के काफिर और मुनाफिक होनेमे किसी किरमका शुभाह नहीं था मगर ननाप रिसालत मआअ व सहाअमे किरामने धली उन लोगोंमेसे किसीको साह तोर पर नाम लेकर येह नहीं इरमाया के तु काफिर हय पस अयसी हालतमे हमारे मुकदसेो मुलुग आलमको नप वाह किसी मुसलमानके लिये कुर्करका इतवा लिआ करे धस आयते पाक और धन अहादीसे रसूल पर अेक नजर डालना आडिये और येहली महेनजर रपना आडिये के उन्को येह हक किस तराह हासिल हुवा हय के जिलाफे आहकामे रप्यानी वपिलाफे मन्शाअे महमुअे सुपहानी किसी शम्सको उरके आहली अथाव, अथरो अकारिअ, और कामे गिराहरीसे आरिअ करसके और नीज येह अमली येरो नजर रपना आडिये के अेक पुरजे कागज पर किसीको काफिर लिअ देनेसे उस शम्सको जिसके हकमे वाह इतवे कुर् लिअते हय क्या मन्डरत पढोअ सकती हय अलपता धस किरमके इतवेसे गयर अकवामकी नजरैमे धसलाम और आहले धसलामकी जेतवकीरी जियाहा होती हय और हंसनेका मोका मिलता हय पसके धस मुआमलेको सिर्फे भुहा पर छुड देना जियाहा पढनर हय. (मुतरजम)

**अधीनर भिरकात.**

३०२ अधीनर (२०) केहते हंय के भंयने रसले अकरम सल्लल्लाहो अलयहे, वसल्लमके शरमाते हुवे सुना के जे शप्स किसी दूसरे आदमीके हासिक या हाजिर होनेकी या काशिर होनेकी तोहमत लगाओ अगर वोह शप्स अयसा नही तो वोह कलेमात केहने वाले पर दोट जते हय यानी वोह काशिर या हासिक हाजिरका भिरदाक हो जता हय.

**अधीनर अदयुल मुकरद.**

३०३ अधीनर (२०) केहते हंय के भंयने नपीये अकरम सल्लल्लाहो अलयहे व सल्लमसे सुनाहय के आप इरमाते थे के जे शप्स दानिस्ता अपने आपके सिवा दूसरेका ओटा होनेका दाअवा करे वोह काशिर हय, और जे उस काममे होनेका दाअवा करे उसमे वोह नही हय तो उसको अपना हीकाना दोज्जामे तलाश करना चाहिये और जे किसी शप्सको काशिर या अदलाहका दुश्मन केहकर युलाता हय और वोह अयसा नही हय तो येह केहना उसीपर दोट जता हय. याअनी केहनेवाला दुश्मने छलाडी या काशिर ठेर जता हय.

**अधदुल्लाह अदयुल मुकरद.**

३०४ हरदो मुसलमानके दरमियान अल्लाहकी तरफसे ओक डिज्जय हय जय ओक मुसलमान दूसरेको कोथ कोहश या पुरी यात केहता हय गोया वोह डिज्जये छलाडीको याक करता हय और जय ओक मुसलमान दूसरे मुसलमानको काशिर केहते उन दोनोंमेसे ओक गुरर काशिर हो जता हय याअनी अगर वोह शप्स काशिर नडि हय तो केहने वाला काशिर हो जता हय.

**अधदुल्लाह धुपने उमर (२०) भिरकात.**

३०५ रसले अकरम सल्लल्लाहो अलयहे वसल्लमने इरमायाके जे शप्स अपने बाध मुसलमानको काशिर केहे उनमेसे ओक गुरर काशिर हो जता हय.

**अधदुल्लाह अदयुल मुकरद.**

३०६ रसले अकरम सल्लल्लाहो अलयहे वसल्लमने इरमाया के जय कोथ शप्स दूसरेको काशिर केहता हय तो उनमेसे ओक गुरर काशिर केह

ગયા હય અગર વોહ હકીકતમેલી અયસાહી હય તો ઉસને સય કહા ઝોર અગર અયસા નહીં હય તો યેહ કુદર ખેશક કેહને વાલે પર આપદ હોગા.

**અખીજર (૨૦) મિશકાત.**

૩૦૭ રસૂલે અકરમ સલ્લલ્લાહૈ અલયહૈ વસલ્લમને ફરમાયા કે જે શખ્સ કિસીકો કાફિર યા અહુ અસ્લાહ કેહ કર ખુલાએ ઝોર વોહ અયસા નહીં હય તો યેહ કુદર કેહને વાલેપર રજુઅ કરેગા.

**સાખિત ઇખને જુહાક (૨૦) ખુખારી.**

૩૦૮ રસૂલે અકરમ સલ્લલ્લાહૈ અલયહૈ વ સલ્લમને ફરમાયાકે જે શખ્સ મજહબે ઇસ્લામકે સિવા ઝોર દૂસરે મજહબકી કસમ ખાતા હય તો વોહ વયસાહી હો જતા હય ઝોર ઇ-સાનપર અયસી નજરકા પૂરા કરના લાજમ નહીં હય જે ઉસ્કી મિલક ઝોર કુદરતસે ખાહર હો, જે શખ્સ કિસી ચીજસે ખુદકુશી કરતા હય કિયામવકો ઉસી ચીજસે ઉસ્કો અજબ દિયા જાએગા ઝોર જે કિસી મુસલમાનપર લાઅનત કરતા હય તો વોહ ઉસ્કે કલકે ખરાખર હય ઝોર જે કિસી મુસલમાનકી તદ્દીર કરે તો વોહબી ઉસ્કે કલકે મસાવી હય.

**અખદુદ્દાહ ઇખને ઉમર (૨૦) ખુખારી.**

૩૦૯ રસૂલુલ્લાહ સલ્લમને ફરમાયા કે જે શખ્સ અપને ભાઇ મુસલમાનકો કાફિર કહે તો ઉન દોનોમિસે એક જુરર કાફિર હો જતા હય.

---

**ખાશુત તકલીફ માલા યતાક.**

---

**શુરએ ખકર રૂકુ ૪૦ આયત ૨૮૬.**

૩૧૦ ખુદા તઆલા કિસી શખ્સપર ખોઝ નહીં ડાલતા મગર ઉસી કદર જુસ્કે ઉઠાનેકી ઉસ્કો તાકત હો. જુસને અચ્છે કામ કિયે તો ઉનકા નફા-અબી કિસીકે લિયે હય, જુસને ખુરે કામ કિયે (ઉન્કા વખાલબી) ઉસીપર. અય હમારે પરવરદિગાર અગર હમ ભૂલ જાએં યા ચુક જાએં તો હમકો (ઉસ્કે વખાલમે)

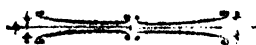
न पकड़, और अथ हमारे परवरिगार जे लोग हमसे पहिले हो गुजर हंय  
 उस तराह उनपर तुने (उन्के गुनाहोंकी पादाशमें आहकामे सप्तका) आर  
 डाला था वयसा आर हमपर न डाल, और अथ हमारे परवरिगार धतना  
 भोज उसके (डिानेकी) हममें ताकत नहीं हमसे न उठवा, और हमारे  
 कुसुरोंसे हर गुजर कर, और हमारे गुनाहोंके भयाए कर, और हमपर  
 रहम श्रमा, तुही हमारा हाभीयो महंगार हय, तु उन लोगोंके मुकायदमें  
 जे काशिर हंय हमारी मदद कर.

सुरअे आअराइ इकु ५ आयात ४२.

३११ और जे लोग धमान लाअे और उन्होंने अअे कामबी किये  
 और हम तो किसीपर उसकी ताकतसे श्राधा भोज डालानी नहीं करते  
 यही लोग जन्ती होंगे के उरमें हमेशा हमेशा रहेंगे.

सुरअे भाअमेतुन इकु १४ आयात ६१.

३१२ और हम किसी शप्सकी ताकतसे अडकर उसपर भोज नहीं डालते  
 और हमारे पास [ लोगोंके आअमालका ] रज्जुटर हय जे हरअेकका [ डाल ]  
 हीक अताता हय और लोग उससे धतमिनान रज्जु के किसी तराह उन्की  
 हकतक्षी न होगी.



## आपुतमा होड.

अहादीस.

उमर भिश्कात.

३१३ नपीये अकरम सख्यमने श्रमायाके हदसे [श्राधा मेरी ताअ-  
 रीइ न करे जयसे धसाधयोंने धमने भरयमकी ताअरीइमें मुआलगा किया  
 हय भंय सिद्ध अह्लाहका अंदा और रसूलहुं.

अअदुर रहैमान जिन अणुअक अदणुल सुदरद.

३१४ रसूलुल्लाह सख्यमके सामने अेक शप्सका निक हुया दूसरेने  
 उन्की पूअ ताअरीइ की आपने श्रमाया के अइसोस तुने अपने यारकी

गरदन काटदी और बार बार उसको दरमातेये के अगर तुममेंसे काछ किसीकी ताअरीफ़ी करे तो येह कहे मंय अयसा भियाल करताहुं अगर वोह उसके अयसाही समजता हय और अस्लाह उसके पूय समजता हय और पुदासे नियादा किसीकी ताअरीफ़ न करे.

**अथी मुसा अहम्युल मुदरद.**

३१५ रसूले अकरम सल्लल्लाहो अलयहे वसल्लमने अेक शप्सको मुआलगेसे दूसरेकी ताअरीफ़ करते हुवे सुना तो प्रमायाके तुमने उसके हलाकतमें डालदिया या उसकी कभर तोडदी.

**असवद धिन शरीअ अहम्युल मुदरद.**

३१६ असवद धिने शरीअ केहते हंय के मंय रसूलुल्लाहकी प्दिमतमें हानिर हुवा और अर्न किया के मंयने अस्लाह तआलाकी हम्द सिन्धी और आं ननायकी नाअतनी. आपने दरमाया के तेरा रय ताअरीफ़को पसंद करता हय और मंयने अशआर पढ़ने शुअय किये के अेक शप्स दराज कामतने निस्की पेशानीके पाल हडे हुवेये आनेकी धन्नजत तलयकी, न्पीये अकरम (स.)ने मुअसे दरमाया आभेश हो न्नाओ, वोह शप्स थोडी देर पाते करके यला गया मंयने फिर पडना शुअ किया वोही फिर आया और रसूलुल्लाह (स.)ने मुअके आभेश करदिया, दो तीन भरतया अयसाही हुवा मंयने अर्न किया या रसूलुल्लाह (स.) येह कोन शप्स हय उसके लिये आपने मुअे युप कर दियाथा आपने दरमाया के येह शप्स जुटको पसंद नहीं करता.

**अथी मुअमभर, अहम्युल मुदरद.**

३१७ अथी मुअमभर (२०) केहते हंय के अेक शप्स उमरामेसे किसीकी ताअरीफ़ करता था के भिकदाहने उसके मोंह पर आक ईकनी शुअकी और कडा के रसूलुल्लाहने हम्को हुकम दिया हय के ताअरीफ़ करनेवाकोके मोंह पर आक डाला करे.

**अता धिने रियाह.**

३१८ अेक शप्स धिने उमरके सामने किसीकी ताअरीफ़ करने लगा उन्हेने उसके मोंहकी तरफ़ आक ईकनी शुअकी और कडा के रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अलयहे वसल्लमने दरमाया के न्ण तुम भदह करनेवाकोको देपो तो उन्के मोंह पर आक डालो.

## आपुत्तमुण्डले.

सुरभ्ये नाडल, ३६ १०

३१८ और पुदाहीने तुमभेसे आम्नको आम्न पर रेश्मे अरतरी ( याम्नी जियादा रेश् ) ही हय तो निन्को जियादा रेश् ही गध हय ( वोह ) अपनी रेश् लुटाकर अपने जेर हस्तां ( याम्नी नोकरों गुला-भोंको ) नहीं दे दिया करते के रेश्मे धन ( सयका ) हिस्सा अरापर हो तो किया येह लोग पुदाकी नेम्भतोके मुन्कर हंय. और तुमहीभेसे पुदाने तुम्हारे लिये ( तुम्हारी ) भीषियोंको पेदा किया और धिसी तराह तुम्हारी भीषियोंसे तुम्हारे लिये भेटां और पोतांको पेदा किया और तुम्को अम्छी ( अम्छी ) चीजे आनेका ही तो क्या [ येह लोग गिलकुल ] जूटे [ माय्जू-दोंके मुन्धम होनेका ] यकीन करते हंय और अस्लाहकी नेम्भतोकी नाशुकरी करते हंय [ ढालांके वाकेअभे मुन्धम वोही हय ] और पुदाके सिवा उन ( माय्जूदों ) की परसतिश करते हंय जे आस्मानो जमीनसे उनका रीजक देनेका कुछनी धपतियार नहीं रभते, और न [ अम्भसे धपतियार पर ] हस्तरस पा सकते हय, तो हुन्या के आदशाहोंके क्रियास पर पुदा के लिये भिसाले तसनीश न करे [ ठीक भिसालका देना ] अस्लाहका माय्जूम हय और तुम्को माय्जूम नहीं, अेक भिसाल पुदाअे तआला अयान करमाता हय के अेक गुलाम हय दूसरेकी भिदक जे किसी आतका धपतियार नहीं रभता, और अेक [ दूसरा ] शपस हय [ पुद सुपतार ] निस्को हभने अपने पाससे अम्छी [ माय्जूल ] रेश् दे रभी हय उस्मे सुप सुपाते औरे पुदे [ अणने जिसतराह आहता हय ] अर्थ करता हय, तो किया [ अयसे दो शपस ] अरापर हो सकते हंय [ येह भिसाल मुन्कर मुशरेकीन गुडर ओल उठेगे के नहीं अरापर हो सकते तो अय फगअपर तुम उन्से कहे ] अल हम्दे लिस्लाह, मगर उन लोगोंका ढाल येह हय के उन्मे ओहतेरे नहीं समझते, और पुदा ( अेक दूसरीका ) भिसाल देता हय के दो आदमी [ हंय ] अेक गूंगा [ और गूंगा होनेके अलावा पराया गुलाम के पुद ] कुछ नहीं कर सकता और [ गूगे होनेकी वजहसे ] वोह अपने आकाश आरे आतिरभी हय के जहां कहीं उस्को भेजे उससे कुछनी ठीक नहीं अनआता, क्या अयसा गुलाम और वोह शपस [ दोनों ] अरापर

हो सकते ह'य जे [ बेगोंको ] हई अंतोदाल पर काष्ठम रहनेका केहता हय और भुदनी [अंतोदाल याअनी धन्साइके] सीधे रस्ते पर काष्ठम हय. अथी डुरयरा भिश्कात.

उ२० रसूले अकरम सल्लल्लाहो अलयहो वसल्लमने इरमाया के गिना याअनी तमवुल कसरते मालसे नहीं अहके गिना दिल्के गनी होनेसे हय. सअद भिश्कात.

उ२१ रसूले अकरम सल्लल्लाहो अलयहो वसल्लमने इरमाया के अदलाह तआला अपने मालदार मुत्तकी, मेहरगानी करनेवाले अहसे महज्जत रपता हय.

नाई गिन अप्पुल हारिस, अहजुल मुइरद.

उ२२ रसूले अकरम सल्लल्लाहो अलयहो वसल्लमने इरमाया के येह आ-हमीकी पुश नसीणी हय के उसके पास भकान वसीअ हो और पडोसी नेक अप्पतहो, और सवारी उम्दा हो.

अनस कुन्जुल आअमाल.

उ२३ तुममें अहततर वोह हय जे हुन्याकी वजहसे अपने दीनको न छोडे और न हुन्याको आपेरतकी वजहसे और बेगों के जिम्मे पार नहो. याअनी अपने धमिरानतका पार बेगों पर न डाले.

धमने मसउद कुन्जुल आअमाल.

उ२४ शका मेरे अरुडाअके लिये पाछसे पुश नशीणी हय और आ-य'द जमानेमें मालदारी मोअमिन के लिये पुश नसीणी हय.

जधिर कुन्जुल आअमाल.

उ२५ माल सअसे जियादा परहेजगारीका महगार हय.

अनस कुन्जुल आअमाल.

उ२६ उस्में कुंछ भूणी नहीं हय जे मालसे महज्जत नहीं रपता ताके सिन्नये रहेम अज लाअे, और आमानत अदा करे, और मालके सअय मपलूकका हानतम'द न रहे.





## प्राप्युत्तवान्नेअ.

सुरअे हुँह इकु २ आयात २३.

उ२७ ने लोग धिमान लाअे ओर [धिमानके अलावा उन्हेने] अअे कामली किये ओर अपने परवरदिगारके सामने आन्नेअ करते रहे यही लोग नजती हंय के येह नजतमें हमेशा रहेगे.

सुरअे हुँर इकु ३ आयात ८८.

उ२८ ओर मुसलमानिसे [गो क्यसेही गरीब हों हमेशा] जुककर मिलना.

सुरअे अनी धसाधल इकु ४ आयात ४७.

उ२९ ओर नमीनमें अकड कर न यला कर क्येके (धस धमाके साथ यलनेसे) तु नमीनके तो नहीं शड सकेगा ओर न [तनकर यलनेसे पहाडोंकी लंयाधके पहोंय सकेगा.

सुरअे कुरकान इकु ६ आयात ६३-६४.

उ३० ओर पुहाअे राडमानके [भास] गंदे तो वोह हंय ने नमीन पर श्रोतनीके साथ यदें ओर नय नहैल उन्से (जुहावतकी) प्मतें करने लगे तो (उन्को) सलाम करें [ओर अलग हो नअे] ओर ने रातोके अपने परवरदिगारके आगे सिन्दे करें ओर [दस्त अस्ता] अडे रहे याअनी नमाज पडे.

सुरअे कसस इकु ९ आयात ८४.

उ३१ (हुन्याकी नेअमतें तो हर कसे नाकसके मील नती हंयभगर) येह आपेरतका धर हय असकी (नेअगतों) के हमने उन लोगोके लिये (भास) कर रम्भा हय ने हुन्यामें किसी तराहकी शेषी नही आहते ओर न इसाहके [आहां हंय] ओर अंजम (अ अयरतो) परहेनगारोंहीका हय.

अहादीस.

उमर भिशकात.

उ३२ हअरत उमरुं(२०)ने नयके वो भिअरपर ये श्रमाया के अय लोगो तवान्नेअ धिपतिवार करो के मंयने रसूअे अकरम सख्खाहो अलयडे व

सखलमसे सुना हय के इरमाते थे जे शम्स भावेसन लिख्वाह तवान्ने, धपतियार करता हय भुदाये तआला इस्का इरन्ज पल'द करता हय वोह अपने भियालमे' छोटा होता हय और लोगो'की नजरो'मे' पडा, और जे तकप्पूर करता हय लोगो'की अपि'मे' हकीर होता हय और अपने आपके पडा समजता हय यहांतक के वोह लोगो'की नजरो'मे' क्यो' भिन्'रसे'नी नियादा नलील हो जाता हय.

### अथान् भिशकात.

३३३ रसखे अकरम सखल्लाहो अलयहे वसखलमने इरमाया के अख्वाह तआलाने मुकको वही लेख हय के तुम तवान्ने याअनी इरोतनी धपतियार करो के को'ध अेक दूसरे पर इअ न करे और को'ध किसी पर नियादती न करे.

### हसन, भिशकात.

३३४ रसखे अकरम सखल्लाहो अलयहे वसखलमने इरमाया के हसप भावसे हय और पुन्तुर्गी परहेजगारीसे.

### धपने अप्पभास, भिशकात.

रसखे अकरम सखल्लाहो अलयहे वसखलमने इरमाया के दो [आपे' अयसी ह'य जिन्को नारे नहन्म न छुयेगी अेक वो'ह आप हय जे अख्वाहके जो'इसे आंसु पहाये दूसरी वो'ह हय जे भुदाकी राहमे' निगेहयानी करे.

### आहयाउिल उलूम.

३३६ रसखे अकरम सखलमसे रिवायत हय के भावेसतीन लिख्वाह तवान्ने, धपतियार करनेमे' येहली दापिल हय के मन्लिसमे' सगसे हकीर नगा पयकने पर रजम'द हो.

३३७ रसखे अकरम सखलमने इरमाया के भाव सधका देनेसे कम नहीं होता और भआर करनेसे' आदमीकी धन्जतही नियादाह होती हय और जे अख्वाहके वास्ते तवान्ने धपतियार करता हय अख्वाह तआला इस्का भरतया पडाहाता हय.

### आअेशा, कुन्तुल आअभास.

३३८ अय आअेशा (२०) तवान्नेअ धपतियार कर धसिलिये के अख्वाह

તઆલા તવાળેઅ કરને વાલોસે ઉદ્ધત રખતા હય ઓર તકબ્બુર કરને વાલોસે અદાવત રખતા હય.

અબુ હુરયરા કન્બુલ આઅમાલ.

૩૩૯ જે ખાલેસનું લિલાહ તવાળેઅ ઇખતિયાર કરે અલ્લાહ તઆલા ઉસ્કા દરબ ખડહા દેતા હય, ઓર જે મીયાના હરવી ઇખતિયાર કરે ઉસે ગની કર દેતા હય. ઓર જે અલ્લાહકા નિકે કરતા હય અલ્લાહ તઆલા ઉસે ઉદ્ધત રખતા હય. ૧

ઈખને અમાસ કન્બુલ આઅમાલ.

૩૪૦ અપને ભાઇ મુસલમાનકા ઝુટા પીના તવાળેઅમે દાખિલ હય, જે અપને ભાઇકા ઝુટા પીતા હય સિત્તર દરબ ખરતરી ઉસ્કો દીખતી હય ઓર સિત્તર ખતાએ ઉસ્કી મઆશ કી જતી હય ઓર સિત્તર બલાઇયાં ઉસ્કે લિયે લિખ દી જતી હય.

### બાબુતતવકકુલ.

મુરબ્બે આલે ઇઆન રૂકુ ૧૭ આયત ૧૨૨.

૩૪૧ યેહ ઉસી વકતકા વાકેઆ હય કે તુમમેંસે દો ગિરોહોંને હિમ્મત હાર દેની ચાહી, મગર ( સંબલ ગએ કયોકે ) અલ્લાહ ઉન્કી મદદ પર થા, ઓર મુસલમાનોકો ચાહિએ કે અલ્લાહી પર ભરોસા રખેં.

મુરબ્બે આલે ઇઆન રૂકુ ૧૭ આયત ૧૫૯, ૧૬૦.

૩૪૨ તો તુમ અપની નિખિલ્લી આદત કયોં છોડો ઇસ જંગ ઓહોદકે મઆમલેમેંબી ઉન્કે કુસર મઆદ કરો ઓર [ ખુદાસેબી ] ઉન્કે ગુનાહોંકી મગફરત ચાહો ઓર મઆમેલાત ( સુહો જંગ ) મેં ( બદસ્તૂરે સાબિક ) ઉન્કો શરીકે મશવેરા કરલિયા કરો ફિર ( મશવેરેકે બાઅદ ) તુમહારે દિલમેં એક ખાત ઇન જાએગી, તો ( ખેતઅમ્મુલ કર ગુજરો મગર ) ભરોસા

૧ મુસલમાનોકા ઇસ હદીસ પર જુરર અમલ કરના ઓર મિયાના રવી ઇખતિયાર કરના ઓર કુબુલ ખર્ચસે ખચના ચાહિએ. ( મુતરજમ. )

भुदाहीपर रभना [मुसलमानो] अगर भुदा तुम्हारी भददपर हय तो फिर कोधली तुमपर गालिय आनिवाला नही, और अगर वोह तुम्हो छोड भेठे तो उसके छोडे पीछे दूसरा कोन हय जे तुम्हारी भददको भडा हो, और मुसलमानोंको आडिये के अस्त्राहीपर भरोसा रभ्ये.

सुरखे तवणा इकु ७ आयत पर.

३४३ अय पयगम्बर (तुम धन लोगोसे केह हो) के जे कुछ भुदा तआलाने हमारे जिये जिय दिया हय उसके सिवा [कोध और] मुसीबत तो हमको पहोच्य सकती नही वोही हमारा कारसाज हय, और मुसलमानोंको आडिये के अस अस्त्राहीपर भरोसा रभ्ये.

सुरखे धय्याहीम इकु २ आयत पर.

३४४ और हमारे जिये दिया [किन्तु हो सकता] हय के अस्त्राहपर भरोसा न रभ्ये लावाके हमारे येह तरीके [उनपर हम यल रहे हय] इसीने हमको यताये, और नयसी नयसी धज्ये तुम हमको पहोचाते रहे हो [अणतकली हमने उनपर सय्र किया और आयदाली] हम नुइर उनपर सय्र करते रहेगे, और तवककुल करनेवालोको आडिये के भुदाहीपर तवककुल करे.

सुरखे अन्कमुत इकु ६ आयत पट-६०.

३४५ और जे लोग धमान लाये और इन्होने नेक अमलबी जिये इन्को हम अडिशतके आलाआनेमे नगा हगे उनके तले नेकरे येह रही होगी [और वोड] उनमे हमेशा [हमेशा] रहेगे नेक अमल करनेवासे इन्होने [दुन्यामे] सय्र किया और अपने परवरदिगारपर भरोसा रभते हय इन्काली (क्याही अन्धा) अफीर हय.

सुरखे तगायुन आयत १३.

३४६ अस्त्राहही हय सिवाय अस्त्राहके कोध भाअपुठ नही, मुसलमानोंको लानिम हय के अस्त्राहही पर भरोसा रभ्ये.

सुरखे तलाक आयत ३.

३४७ जे शम्स अस्त्राहपर भरोसा रभ्येगा तो भुदा उसकी मुश्केलातके हल करनेको दाइ हय. जेशक जे भुदाको मन्गुर होता हय वोह उसको पूरा करे रेडता हय [और] अस्त्राहने हर पीनका अंदाज ठेराही रभ्या हय.

अडाहिस.

धुधने अण्णमास, भिशकात.

३४८ रससे अकरम सल्लस्साडो अलयडे वससुमने इरमाया के मेरी उम्मतके सितार हणर आदमी जे हिसाण्ण विलिये नन्तमे दामिअ होंगे और उन्मे वोड लोग होंगे जे चोरी न करते हों और शल न देते हों और अपने रथ पर बरोसा रथते हों.

उमर गिन अताण्ण, भिशकात.

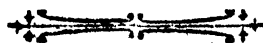
३४९ हणरत उमर २० इरमाते हंय के मेने रसलुखाड सल्लमसे सुना के आप इरमाते ये के अगर तुम अखाड तयाला पर पूरा बरोसा रथ्यो तो इस तराड तुम्को रोछ पडोयावे जयसे ननवरोको पडोयाता हय के सुण्डको बूके नते हंय शामको पेट भरे आते हंय. ?

धुधने अण्णमास, कुण्णुल आण्णमास.

३५० निरको येड आहिस होंके सयसे कवी होणवे इरको दानिम हय के अखाड पर बरोसा करे.

आण्णिक, कण्ण.

३५१ सोय समजके आयद तवककस करना नसीदत हय.



१ या'नी जिसतराड ननवर मुतवककेसन अस्साड यले नते हंय और ननेके वकत उन्को येड नही मा'लूम होता के उन्को कहांसे रोछ मिलेगी, मगर जय वोड खुदा पर बरोसा करके तलाशमे मसइक होते हंय तो खुदा तयाला उन्को रिजक उन्को पडोया देता हय, इसी तराड जे लोग अस्साड पर बरोसा करके अपनी रोछ तलाश करते हंय उन्को रोछ किसी न किसी जगसे नुसर मिल जाती हय. इस हदीस शरीफसे तहाणीर करने और निहो नहद करके रोछ कमनेही नही नही निकलती अल्के येड तलधीन हय के किसी हाकिम, आदयाड अभीर, और लखेहाद वगेरा पर तकया न करे अल्के अस्साड तयाला पर बरोसा रथ्यो जिस तराड वोड ननवरोको उन्के तलाश करने पर भिदु किसीके अहसानके रोछ पडोयाता हय इसी तराड तुम्कोभी अगयर किसीकी भिन्नत और अहसानके रोछ पडोयावेगा, और किसी हंसानके ममनुनो भरकर अननेकी नुसरत न होगी. (मुतरजय)

## आप्युत् तोहमते वल षोडतान

सुरअे निसा ३६ १६ आयात ११

उपर ने शप्स किसी गुनाह या षताका सुरतकिय हो फिर वोह अपने कुसुरको किसी जेगुनाह पर थोप दे तो उसने षोडतान और गुनाह शरीह ( का षोअ अपनी गरदन पर ) लाए।

सुरअे नुर ३६ ३ आयात २३-२४.

उपउ ने लोग पाक दामन औरतों पर ( जिनाकी ) तोहमत लगाते हंय ने बियारीयां अयसी आतोसे माहज जेअपर [ हंय और ] धमान अयती हंय [ अयसे लोग ] दुन्या और आभेरत [ दोतो ] में मलउन हंय, और [ क्रियामतके दिन ] उन्को अडा सप्त अजाय होगा जयके धनके मुकायसेमें उन्की जयाने और उन्के हाथ और पाडि उन्के आअमालकी गवाही देंगे.

सुरअे अह्दअाय ३६ ७ आयात ५८.

उप४ और ने लोग मुसलान औरतों और भरदोकों जे धसके के उनाने कुसुर कीया हो नाहककी तोहमत लगाकर धजा देते हंय तो वोह जुक तोशन और सराह गुनाहका षोअ अपनी गरदनपर लेते हंय

सुरअे मुमतह्द ३६ २ आयात १२

उप५ अय पयगअर, जय तुम्हारे पास मुसलमान औरते आअे और तुमसे धसपर अयअत करनी याहें के किसी चीजको अह्लाहका शरीक नही ठेराअेंगी और न चोरी करेंगी और न अदकारी करेंगी और न दुअतर कुशी करेंगी और न अपने हाथ पाओके आगे कोअ षोडतान अनाकर अडा करेंगी और न नेक कामेमें जिन्के करनेका तुम हुकम हो तुम्हारी हुकम अह्दकी करेंगी तो धसतराह पर तुम उन्से अयअत ले लिया करै, और अुदाकी जनाअमे उन्की भगदिरतकी दुआ करै अेशक अह्लाह अअसने वाक्ता भहैरयान हय.

### अथदुस्लाह अथमुल मुद्रद.

उप६ अथदुस्लाह ध्यने उमर केहते हंय के भंयने रसुलुस्लाहको केहते हुवे सुना के अन्की सशरिश धनराये हुदहे धलाहीमे' हाधल हो याअनी क्तिनी मुजरिमकी सशरिश करे ताके वोह सनअये सरधसे अय नवे तो वोह सशरिश करनेवाला पुदाअये तआलासे मुभासेमत करता हय और ने शप्स दीदअये दानिस्ता आतिल याअनी नाहक अमरपर जगडा करता हय वोह पुदा तआलाके गुस्सेमे' मुफ्तला रहेता हय नपतक उससे आन न आये और ने शप्स क्तिनी मुसलमानके हकमे' अयसी आते' कहे ने उस्मे' नहीं हंय तो अस्लाह तआला उस्को दोनअयेमे' जगा देता हय नपतक वोह उससे आन न आये और अय हकीकी रिवायतमे' हय के ने अयसे तनाजेआतमे' मदद करता हय अन्के हक और आतिल होनेका उस्को धरम नहीं हय अस्लाहके गनअमे' गिरइतार रहेता हय नपतक उससे आन न आये.

### उपादा धिन साअत मिश्कात.

उप७ रसुले अकरम सख्खाहो अलयहे व सख्खने नपके अेक गिरोह सहायाका भवजूद था इरमाया के मुअसे धस शर्तपर अयअत करे के अस्लाहका शरीक क्तिनीको न करेगे और न जिना करेगे और न अफनी आलाहको कल करेगे और न दीदअये दानिस्ता क्तिनीपर छतेहाम लगाअयेगे और न नेक काममे' मेरी नाइरमानी करेगे पस ने धस आहदको पुरा करे उस्को उस्का अजर अस्लाह के हांसे मिलेगा और ने धनि गुनाहोमेसे क्तिनीमे मुफ्तलाहो और हुन्याहीमे' उस्को सन मिल नवे तो उस्का कइदारा हो गया और ने मुफ्तला हुवा और पुदाने उस्की परदा पोशीकी उस्का मुआ-भेला पुदा तआलासे हय अवाह भआइ करे या सनदे. और हम सपने धसपर अयअतकी.

उप८ रसुले अकरम सख्खमने इरमाया हय के सात चीने' हलाक करनेवाली हय उनसे अयते रहेा सहामीने दरयाइत किया या रसुलुस्लाह (स.) वोह क्या हंय आपने इरमाया के १ अस्लाहका शरीक क्तिनीको अनाना २ और नदू करना ३ और निस्के कलको अस्लाह तआलाने हसम कर दिया हय उस्को नाहक कल करना ४ और सुद आरी ५ और यतीमका भास आना ६ और कुइदर के मुकाबिलेमे' लडाधसे भागना ७ और मुसलमान भोला भाली पाक दामन औरतोको जिनाहकी तहोमत लगाना.

୩୫୯ ଜେ ଶମ୍ଭୁ କିଛି ମୁସଲମାନ ମଝି ଯା ମୁସଲମାନ ଯୋରତ ପର  
 ଗୋଟିଆନ ଘରାଓ ଯା ଉଠେ। ଅଧିକେ ଉଧିଅଧିକେ ମନସୁଧି କରେ ଜେ ଉଠେ ନଝି  
 ହିଏ ଧୁଠା ତଆଣା କିଆମତକେ ରୋଜ ଉଠେ। ଆଗକେ ଟିକେ ପର ଧିଆ କରେ।  
 ନ୍ୟତକ ବୋଧ ଉଠେ। ଆଉ ଉଠେ ଜେ ଉଠେ ଛକେ କହା ଥା।

## ପାପୁଳା ଜାହାଜେ ବସ୍ତାସର୍ପ।

ସୁରଓ ମାଠା ୩୬ ୬ ଆଧାତ ୩୯

୩୬୦ ଅଧି ଧିମାନବାଣେ ଅଠାଣା ତଆଣାଠେ ଉଠେ ରଠେ। ଆଉ ଉଠେ  
 ପଠେ। ଅଧିକେ ତଳାଶ କରେ ରଠେ। ଆଉ ଅଠାଣାଠେ ରାଠେ। ଜନ ବଠାଣେ  
 ତାକେ ପୁମ ବଠାଣେ ପାଠେ।

ସୁରଓ ଅନଠାମ ୩୬ ୬ ଆଧାତ ୧୩୨.

୩୬୧ ଆଉ [ ନ୍ୟସେ ନ୍ୟସେ ] ଅଧିକେ କିଏ ହିଏ ଉଠେ। [ ଅଧିକେ ]  
 କି ଉଠେ [ ବୋଗାକେ ] ଉଠେ ଉଠେ। ଆଉ ଜେ କୁଠି ବୋଗ ଦୁନ୍ୟାମେ କରେ ରଠେ ହିଏ  
 ପୁଠାଠା ପରବଠାଠା ଉଠେ। ଅଧିକେ ନଝି।

ସୁରଓ ଉଠେ, ୩୬ ୧୦ ଆଧାତ ୭୮.

୩୬୨ ଆଉ ଅଠାଣା [ କି ରାଠ ] ମେ କିଠିକି କରେ ନ୍ୟସା କେ ଉଠେ। ରାଠେ  
 କିଠିକି କରେ। ଉଠେ ହିଏ, ଉଠେ। ପୁଠା ଦୁନ୍ୟା କେ ବୋଗାମେ କେ ଉଠେ।  
 ଆଉ କରେ। ଆଉ ଉଠେ। ମେ ପୁମ ପର କିଛି ତରାଠିକି କରେ।  
 ନଝି। ପୁଠାଠା ଉଠେ। ବୋଧି ଉଠେ। ତରାଠିକି କିଆ ଜେ ପୁଠାଠା ପାପ  
 ଉଠେ। ଉଠେ। ଆଉ ନ୍ୟସା କିଆମେ ପେଠେ।  
 ପୁଠାଠା ନାମ ମୁସଲମାନ ରଠା। ଯାନ୍ତି ପରାଠାଠା ପଠେ। ଆଉ ଉଠେ କୁର-  
 ଆନମେ। ଉଠେ। ତାକେ ରଠା ପୁଠାଠା ମୁଠାଠା ଉଠେ। ଆଉ ପୁମ ଉଠେ।  
 ବୋଗାକେ ମୁଠାଠା ଉଠେ। ଉଠେ, ତା ନ୍ୟସା ପଠେ। ଆଉ ଉଠେ।  
 ଅଠାଣାଠା କି କରେ। ବୋଧି ପୁଠାଠା କରେ। ହିଏ, ପୁ କିଆ  
 ଅଠା କରେ। ଆଉ କିଆ ଅଠା କରେ।



सुरमे नुमर ३६ ७ आयत ७०

३६३ ओर हर शप्सको उसके आत्मबालकी पूरी नल दी नवेगी ओर अस्लाह तयाला उनके अश्रुआलसे पूम वाक्कि हय.

सुरमे नजम ३६ ३ आयत ३३ से २४

३६४ अय पयगम्बर भला तुमने उस शप्स के हाल पर भी नजर की निस्ने [ तुम्हारी नसीहतसे ] ३ गरदानी की ओर थोडासा [ राहे पुदामे ] दे कर फिर [ पत्थरकी तराह ] सप्तत हो गया, क्या उसके पास छिद्र गयय हय के उसको अपना अन्जम : द्विभाष्ट दे रहा हय, क्या उसको उन [ आतां ] की अपर नहीं पढोय्यी ने भूसाके सडीकिमे' । क्षप्पी हुय हंय, ओर नीज ध्वाडीम के सडीकिमे' निन्डोने अपनी जि'दगीमे' अ'दगीका हक पूरा पूरा अदा किया धनि सडीकिमे' येह विष्णा हय के कोष्ट शप्स हूसरेके गुनाहका भोज अपनी गरदन पर नहीं देगा ओर येह के धन्सानको उतनाही भिदेगा अतनी उसने को'शिशकी ओर येह के उसकी कोशिश आगे चल कर क्रियामतके दिन देपी नवेगी, फिर उसको पूरा पूरा अदला भिदेगा ओर येह के आभिरैकार सयको पुदा तक पढोय्यना हय.

अहादीस.

सालेह, अहपुल सुदरद

३६५ मंयने हजरत अली हरमस्लाडेो वजहहुडेो देपी के उन्डोने अेक दिरमकी पण्डुरे' परीदी ओर अपनी यादरमे' उडा लिया मंयने या किसी ओर शप्सने अर्ज किया के या अभीइल मोअमेनीन मंय आपका भोज उहालं ? अपने हरभायाके नहीं अयालदरपर हक हय के वोह अपना भोज पुद उहाये. याअनी अपना काम पुद करे.

नाइ, अहपुल सुदरद.

३६६ नाइअने अहपुला धप्ने उमरको सुना के वोह अपने भाषसे ने आगसे आ रहे थे दरयाइत करते थे के किया तुम्हारे कारीगर काम करते हय उन्डोने कहा मुजे माअलूम नहीं धप्ने उमरने कहा अगर तुम सकरी होते तो ने काम तुम्हारे आभिल करते हंय तुमभी करते फिर हमारी तरश

મુતવળજેહ હો. કર કહા કે જો શખ્સ અપને કારદોકે સાથ કામ કરતા હય વોહ ખુદ તઆલાકે આમેલોમે' શુમાર હોતા હય.

**જયદ ધિન શાખિત, અદખુલ મુકરદ.**

૩૬૭ હજરત ઉમર ૨૦ એક રોજ જયદ ધિન સાખિત કે પાસ આએ જોર અંદર આનેકી ઇજાજત ચાહી ઉન્કો ઇજાજત દી ગઇ વોહ અંદર આએ તો ઉન્કી લોડી બાલોંકો દુસ્ત કર રહીથી ઉન્હોંને અપના સર ઉસ્કે હાયોસે અલાહેદાહ કરલિયા હજરત ૨૦ ઉમરને કહા ઉસે બાલ દુસ્ત કરનેદો મંચને કહા કે અગર અમીરૂલ મોઅમેનીન કિસી આદમીકો બેજદેતે તો મંચ હાજિર હોતા હજરત ઉમરને કહા કે કામતો મેરા થા યાઅની મુએહી આના ચાહિએ થા.

**અસવદ ધિન જયદ, ખુખારી.**

૩૬૮ મંચને આએશા સિદીકાસે દરયાફત કયા કે હજરત રસૂલે મક-ખૂલ સલ્લાલાહો અલયહે વસલ્લામ અપને ધરમે' કયા કયા કરતે રેહતે થે ઉન્હોંને દરમાયા કે અપને ધરવાલોંકા કામ કરતેથે જપ્પ અબ્બન સુનતેથે બાહર તકરીશ લે જતેથે.

